RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:176 ता. 07 जनवरी 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

निर्माण सामग्री रखी होने के चलते बंद है यात्री आश्रय स्थल

वाराणसी। स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को विकसित करने में रेलवे प्रशासन जुटा हुआ है। रेलवे अधिकारियों का दावा है कि काशी स्टेशन पर सफाई व्यवस्था दुरूस्त है। कैंट स्टेशन पर यात्री आश्रय में सभी रजाई, गद्दे आदि की व्यवस्था मुकम्मल है, लेकिन इस क्षेत्र में निर्माण सामग्री रखी होने के चलते इसे बंद रखा गया है। स्टेशन अधीक्षक काशी कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि काशी स्टेशन पर नियमित रूप से सफाई कराई जाती है। निरीक्षण में यूरीनल के पास कुछ कमियां पायी गई थी, जिसे तुरंत दूर करा दिया गया था। यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। स्टेशन निदेशक ने बताया कि वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर अलाव और रात्रि रैनबसेरा राज्य प्रशासन के सहयोग से स्टेशन परिसर में उपलब्ध है। इसके साथ ही नगर निगम के सहयोग से स्टेशन के यात्री आश्रय में रजाई और गद्दे की व्यवस्था भी यात्रिओं के लिए की गयी हैं। यात्री आश्रय के पीछे वर्तमान में निर्माण कार्य चल रहा है। बताया आश्रय स्थल वाले क्षेत्र में निर्माण सामग्रियां रखी हुई हैं। इसलिए यह क्षेत्र यात्रियों के आम आवागमन के लिए फ़िलहाल गेट लगाकर बंद किया हुआ है। उन्होंने बताया कि भिखारीपुर सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण स्वचालित सीढ़ियां कुछ समय के लिए बंद हो गयी थीं। विद्युत आपूर्ति बहाल होते ही सभी स्वचालित सीढ़ियां सुचारू रूप से चलने लगीं।

बीमार मां सोनिया गांधी से मिलने दिल्ली निकले राहुल, हरियाणा में 'भारत जोड़ो' में हुई वापसी

यात्रा हरियाणा में अपने दूसरे चरण के पहले दिन शुक्रवार सुबह यहां सनोली-पानीपत रोड से फिर से शुरू हुई। राहुल गांधी की अगुवाई वाली इस यात्रा ने यूपी से गुरुवार शाम को हरियाणा में फिर प्रवेश किया।

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश से निकलकर 'भारत जोड़ो' यात्रा दोबारा हरियाणा पहुंच गई है। लेकिन इस दौरान पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। खबर है कि मां सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ने के चलते उन्होंने लौटने का फैसला किया था। हालांकि, नेताओं का कहना है कि वह शुक्रवार को हरियाणा लौट चुके हैं। कन्याकुमार से शुरू हुई यात्रा का अंत श्रीनगर में होगा।

● **आज रात हरियाणा में नहीं गुजारने वाले हैं, लेकिन यात्रा कल सुबह 6 बजे को शुरू होगी और पानीपत में दोपहल को रैली को संबोधित भी करेंगे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था।**

राहुल गांधी हरियाणा के सनोली खुर्द गांव में रुकने वाले थे। पानीपत के जरिए कांग्रेस की यात्रा ने हरियाणा में प्रवेश किया था। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में बताया, यात्रा हरियाणा में प्रवेश कर चुकी है। लेकिन राहुल जी को आज रात दिल्ली लौटना पड़ा, क्योंकि सोनिया जी बीमार हो गई हैं। उन्होंने आगे कहा, वह आज रात हरियाणा में नहीं गुजारने वाले हैं, लेकिन यात्रा कल सुबह 6 बजे (6 जनवरी) को शुरू होगी और पानीपत में दोपहल को रैली को संबोधित भी करेंगे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था।

दूसरा चरण फिर शुरू

भाषा के अनुसार, यात्रा हरियाणा में अपने दूसरे चरण के पहले दिन शुक्रवार सुबह यहां सनोली-पानीपत रोड से फिर से शुरू हुई। राहुल गांधी की अगुवाई वाली इस यात्रा ने उत्तर प्रदेश से गुरुवार शाम को हरियाणा में फिर से प्रवेश किया। रात्रि विश्राम के बाद यात्रा पानीपत में सनोली सीमा से फिर से शुरू हुई। हरियाणा के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल के साथ पदयात्रा में शामिल हुए। हुड्डा ने बताया था कि राहुल अपनी बीमार मां सोनिया गांधी से मिलने के लिए गुरुवार रात को दिल्ली रवाना हुए थे। वह यात्रा में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार सुबह लौटे।

गुलाम नबी आजाद को झटका

जम्मू कश्मीर से राहुल गांधी के लिए खुशखबरी; कांग्रेस में लौटेंगे कई दिग्गज

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर में बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिल सकता है। खबर है कि गुलाम नबी आजाद के साथ कांग्रेस छोड़कर आए कुछ दिग्गज दोबारा कांग्रेस में वापसी करने वाले हैं। राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू और कश्मीर पहुंचने से पहले यह पार्टी के लिए बड़ा फायदेमंद साबित हो सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि साल 2023 में राज्य में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

खबर है कि राज्य के पूर्व उपमुख्यंत्री तारा चंद समेत कई दिग्गज नेता शुक्रवार को कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री पीरजादा मोहम्मद सईद, पूर्व विधायक बलवान सिंह और आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा भी कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सभी नेता शुक्रवार दोपहर कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। आजाद के करीबी माने जाने वाले इन दिग्गज नेताओं ने डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में जाने का फैसला किया था।

इसके अलावा पूर्व मंत्री पीरजादा मोहम्मद सईद, पूर्व विधायक बलवान सिंह और आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा भी कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

हालांकि, आजाद ने ही तारा चंद, बलवान सिंह और पूर्व मंत्री मनोहर लाल शर्मा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते बाहर कर दिया था। इसके बाद वरिष्ठ वकील और जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एमके भारद्वाज समेत समेत करीब 126 नेताओं ने डीएपी छोड़ दी थी।

हालांकि, संभावनाएं जताई जा रही हैं कि डॉक्टर मनोहर लाल शर्मा कांग्रेस में शामिल ना हो कर निर्दलीय उम्मीदवार रह सकते हैं। अटकलें लगाई जा रही थीं कि आजाद भी कांग्रेस में दोबारा शामिल हो सकते हैं, लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया है। वरिष्ठ नेता ने बीते साल अगस्त में करीब 5 दशकों के बाद कांग्रेस को अलविदा कह दिया था।

'अनुचित व्यवहार की तुरंत दें सूचना'

फ्लाइट में पेशाब की घटना के बाद स्टाफ से बोले, एआई के सीईओ

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में हाल ही में महिला यात्री पर पेशाब करने की शर्मनाक घटना सामने आई थी। इस घटना के बाद एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने एयरलाइन स्टाफ से अपील की है। सीईओ ने फ्लाइट में किसी भी तरह के अनुचित व्यवहार की सूचना तुरंत देने को कहा है। विल्सन ने कहा कि चाहे मामला सुलझा भी लिया गया है, लेकिन स्टाफ जल्द से जल्द इस संबंध में प्राधिकारियों को सूचना दें।

यात्री के साथ हुई समस्या को समझ सकते हैं

विल्सन ने कहा कि पीड़ित यात्री को हुई समस्या को पूरी तरह से समझा जा सकता हे और हम उनके साथ हैं। हालांकि, पूरे मामले को

जिस प्रकार रिपोर्ट किया गया है ये उससे अधिक उलझा हुआ है। इसमें एक सबक छिपा हुआ है, जिससे हमें सीख लेनी चाहिए।

सूचना में देरी न करें-उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि यदि इस स्तर का कोई अनुचित व्यवहार हमारे एयरक्राफ्ट में घटित होता है तो हमें इसकी सूचना जल्द से जल्द प्राधिकारियों को देनी चाहिए। ऐसा तब भी किया जाना चाहिए जब हमें यह लगता हो की मामले को आपसी सहमति से सुलझा लिया गया है। ये यात्रियों द्वारा किए गए बुरे बर्ताव पर भी लागू होता है।

सजा में शामिल नहीं होगी कैदी के पैरोल की अवधिः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि किसी कैदी की समय से पहले रिहाई पर विचार करते हुए उसे दी गई पैरोल की अवधि को सजा से बाहर रखा जाएगा। बांबे हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा, 14 वर्ष के वास्तविक कारावास पर विचार करने के दौरान पैरोल की अवधि शामिल करने की कैदियों की ओर से दी गई दलील को अगर स्वीकार कर लिया जाए तो कोई प्रभावशाली कैदी कई बार पैरोल हासिल कर सकता है क्योंकि इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है और इसे कई बार प्रदान किया जा सकता है। अगर कैदियों की ओर दी गई दलील को स्वीकार कर लिया जाए तो वास्तविक कारावास का

उद्देश्य ही निष्फल हो जाएगा।

सभी कैदियों ने नियमों के तहत समयपूर्व रिहाई के लिए आवेदन किया था

शीर्ष अदालत आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे कुछ दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें गोवा प्रिजनर्स रूल्स, 2006 के प्रविधानों के तहत पैरोल पर रिहा किया गया था। सभी कैदियों ने नियमों के तहत समयपूर्व रिहाई के लिए आवेदन किया था और स्टेट

● **14 वर्ष के वास्तविक कारावास पर विचार करने के दौरान पैरोल की अवधि शामिल करने की कैदियों की ओर से दी गई दलील को अगर स्वीकार कर लिया जाए तो कोई प्रभावशाली कैदी कई बार पैरोल हासिल कर सकता है**

सेंटेंस रिवेन्यू बोर्ड ने उनकी समयपूर्व रिहाई की सिफारिश की थी।

राज्य सरकार ने इस बारे में सजा सुनाने वाली अदालत की राय मांगी थी और उस अदालत की राय थी कि दोषियों को उनके अपराध की गंभीरता के मद्देनजर समयपूर्व रिहा नहीं किया जा सकता। इसके बाद राज्य सरकार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था और फिर उन्होंने बांबे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दिल्ली में कोल्ड अटैक, 1.8 डिग्री तक गिरा पारा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली सहित बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे मैदानी इलाकों वाले राज्य ठंड से कांप रहे हैं। यहां सर्दी का सितम जारी है। दिल्ली में आज सुबह न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री तक गिरा। इस मौसम में यह सबसे सर्द सुबह रही। मौसम विभाग ने जो ताजा अपडेट जारी किया है उसके मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों तक भीषण शीत लहर चलने वाली है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि मैदानी इलाकों में चल रही हवाओं के कारण अभी कई राज्यों में कड़ाके की ठंड जारी रहेगी। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए मध्य प्रदेश, बिहार, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरा का अनुमान लगाया है। अगले 24 घंटों के दौरान राजस्थान के कई इलाकों में पाला पड़ने की स्थिति बनती दिख रही है। वहीं, अगले 24 घंटों के दौरान राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर को लेकर स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसके अलावा जम्मू संभाग, पंजाब, हरियाणा,

हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अफगानिस्तान के पास एक पश्चिमी विक्षोभ देखा गया है। इसके प्रभाव में सात से नौ जनवरी के बीच पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर भारी बर्फबारी होने की संभावना है। इसी दौरान मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र तक में हल्की बारिश की संभावना है।

मुफ्त राशन और आवास के बाद फ्री में डिश टीवी भी देगी मोदी सरकार, जानें किसे मिलेगा इसका लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के द्वारा लोगों को रहने के लिए घर और खाने के लिए राशन तो दिया ही जाता है, लेकिन अब सरकार ने फैसला किया है कि लोगों के मनोरंजन के लिए डीश टीवी भी दी जाएगी। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है, जिसपर की करीब 2539 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आपक बता दें कि दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की स्थिति में सुधार लाने की दिशा में सरकार ने इस योजना को लॉन्च किया है। केंद्र सरकार की इस योजना के इसके लोगों को फ्री में डिश टीवी दी जाएगी। लोग बिना किसी खर्च के अपने मनपसंद का चैनल देख पाएंगे, जो कि इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे।। केंद्र सरकार ने दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की स्थिति में सुधाक लाने के लिए यह पहल की है। इसमें कुल 2539 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसे ब्रॉडकास्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड नेटवर्क डेवलपमेंट का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने इसे मंजूरी भी दे दी है। इस स्कीम का लाभ आप 2025-26 तक उठा सकते हैं। बाद में इसे विस्तार भी दिया जा सकता है।बीआईएनडी योजना के तहत वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों, सीमा एवं रणनीतिक क्षेत्रों सहित इनकी पहुंच को व्यापक रूप से बढ़ाते हुए श्रोताओं और दर्शकों को उच्च गुणवत्ता युक्त कंटेंट प्रदान किया जाएगा। दूरदर्शन 28 क्षेत्रीय चैनलों सहित 36 टीवी चैनलों का संचालन करता है और ऑल इंडिया रेडियो 500 से अधिक प्रसारण केंद्रों का संचालन करता है। यह योजना देश में एआईआर एफएम ट्रांसमीटरों के कवरेज को भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार 59 प्रतिशत से बढ़ाकर 66 प्रतिशत और और आबादी के हिसाब से 68 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत कर देगी।

इस योजना के तहत दूरस्थ, जनजातीय, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को 8 लाख से अधिक डीडी फ्री डिश एसटीबी के निःशुल्क वितरण की भी परिकल्पना की गई है। इससे प्रसारण के दायरे को बढ़ाने के अलावा, ब्रॉडकास्टिंग उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना से संबंधित निर्माण और सेवाओं के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करने की भी संभावना है।

मध्य प्रदेश के रीवा में पेड़ और मंदिर के गुंबद से टकरा क्रैश हुआ ट्रेनी प्लेन, पायलट की मौत

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया है। रीवा के चोरहटा थाना क्षेत्र के उमरी गांव में मंदिर के गुंबद से टकरा कर प्लेन क्रैश हो गया। प्लेन में मौजूद पायलट और प्रशिक्षु गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए उन्हें संजय गांधी अस्पताल में कराया गया। यहां सीनियर पायलट की मौत हो गई। पायलट प्रशिक्षण कंपनी का प्लेन देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना देर रात 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। बताया जा रहा है की चोरहटा हवाई पट्टी से यह प्लेन उड़ा था जिसके बाद घने कोहरे के चलते यह प्लेन नीचे ही रह गया और एक आम के पेड़ में टकराने के बाद मंदिर के गुंबद से जा टकराया और क्रैश हो गया प्लेन के टकराने से मंदिर का गुंबद भी टूटकर नीचे गिर गया।

अगर यह प्लेन मंदिर से न टकराकर किसी घर से टकराता तो बड़ा हादसा हो सकता था। आसपास कई घर भी हैं। जैसे ही इस घटना की जानकारी पुलिस को लगी वैसे ही बचाव कार्य के लिए पुलिस की टीम दल बल के साथ मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों की काफी भीड़ भी मौके पर इकट्ठा हो गई। प्लेन मंदिर के गुंबज से इतनी जोर से भिड़ा की उसके परखच्चे उड़ गए। दोनो घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए रीवा के संजय

पायलट प्रशिक्षण कंपनी का प्लेन देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना देर रात 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। बताया जा रहा है की चोरहटा हवाई पट्टी से यह प्लेन उड़ा था जिसके बाद घने कोहरे के चलते यह प्लेन नीचे ही रह गया और एक आम के पेड़ में टकराने के बाद मंदिर के गुंबद से जा टकराया और क्रैश हो गया प्लेन के टकराने से मंदिर का गुंबद भी टूटकर नीचे गिर गया।

गांधी अस्पताल भेजा गया था जहां पर उपचार के दौरान सीनियर पायलट की मौत हो गई जबकि प्रशिक्षु पायलट की हालत गंभीर बनी हुई है।मृतक का नाम विमल कुमार (60) है जो बिहार के रहने वाले थे। घायल प्रशिक्षु का नाम सोनू कुमार (24) जयपुर राजस्थान का रहने वाला बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के पीछे की वजह घना कोहरा था यह फिर किसी और कारण से यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर जिला कलेक्टर मनोज पुष्प और एसपी नवनीत भसीन भी मौके पर पहुंचे।

हादसे में कुत्ते की मौत पर नहीं हो सकती एफआईआर बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस पर लगाया जुर्माना

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने सड़क हादसे में घायल कुत्ते की मौत के मामले में फैसला सुनते हुए कहा है कि मालिक कुत्तों को अपने बच्चों के रूप में मान सकते हैं लेकिन कुत्ते इंसान नहीं हैं और इसलिए किसी व्यक्ति पर आईपीसी की धारा 279 और 337 के तहत मानव जीवन को खतरे में डालने या किसी अन्य व्यक्ति को चोट या चोट पहुंचाने की संभावना के लिए मामला दर्ज नहीं किया जा सकता है. हाई कोर्ट ने किसी व्यक्ति या संपत्ति को नुकसान और क्षति पहुंचाने से संबंधित आईपीसी की धारा 429 को लागू करने पर भी सवाल उठाया. हाई कोर्ट ने इसकी जांच के लिए पुलिस को फटकार लगाई और राज्य सरकार को छात्र को 20 हजार रुपये की लागत का भुगतान करने का निर्देश दिया है. बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ ने इंजीनियरिंग के एक छात्र के खिलाफ प्राथमिकी रद्द कर दी जो मरीन ड्राइव के पास सड़क पार करने की कोशिश कर रहे एक कुत्ते के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया. कुत्ते की बाद में मौत हो गई जबकि याचिकाकर्ता भी घायल हो गया क्योंकि उसकी मोटरसाइकिल अचानक ब्रेक लगाने के कारण फिसल गई. प्राथमिकी के अनुसार 11 अप्रैल 2020 को राष्ट्रव्यापी कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान एक पशु प्रेमी और शिकायतकर्ता मरीन ड्राइव पर रात करीब 8 बजे आवारा कुत्तों को खाना खिला रही थी. उसने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता की बाइक ने सड़क पर चल रहे एक कुत्ते को टक्कर मार दी. बाद में कुत्ते ने दम तोड़ दिया. अपनी शिकायत में उसने कहा कि याचिकाकर्ता मानस मंदार गोडबोले (20) की बाइक भी फिसल गई और वह भी घायल हो गया. पशु प्रेमी और शिकायतकर्ता की शिकायत पर मरीन ड्राइव पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 279 337 429 184 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया. कुछ महीनों के भीतर मानस मंदार गोडबोले (20) के खिलाफ 64वें मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया था. मानस मंदार गोडबोले ने धारा 279 337 और 429 के आवेदन को चुनौती देने वाली एक याचिका दायर की.

लाकशुदा मुस्लिम महिला दोबारा शादी करने तक भरण-पोषण की हकदार : इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने माना है कि एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से तब तक भरण-पोषण की हकदार है जब तक कि वह दूसरी शादी नहीं कर लेती। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें गुजारा भत्ता के भुगतान के लिए एक निर्धारित समय-सीमा तय की गई थी। न्यायमूर्ति सूर्य प्रकाश केसरवानी और न्यायमूर्ति मोहम्मद अजहर हुसैन इदरीसी की पीठ एक मुस्लिम महिला जाहिदा खातून से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी जिसके पति नरुल हक ने 11 साल की शादी के बाद 2000 में उसे तलाक दे दिया था। उच्च न्यायालय ने 15 सितंबर 2022 को गाजीपुर परिवार अदालत के प्रधान न्यायाधीश के फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता जाहिदा खातून केवल इद्दत की अवधि के लिए भरण-पोषण की हकदार थी जिसे तलाक की तारीख से तीन महीने और 13 दिनों के रूप में परिभाषित किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा हमें यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि प्रधान न्यायाधीश परिवार अदालत गाजीपुर ने कानून की एक त्रुटि की है कि अपीलकर्ता केवल इद्दत की अवधि के लिए रखरखाव का हकदार है।

वंदे भारत एक्सप्रेस पथराव केस में बिहार पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा

नई दिल्ली । वंदे भारत एक्सप्रेस पथराव केस में बिहार पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच हाल में शुरू की गई वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी करने के आरोप में पुलिस ने बृहस्पतिवार को किशनगंज से तीन नाबालिग लड़कों को पकड़ा। किशनगंज पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कुछ दिन पहले हुई घटना के मामले में बृहस्पतिवार सुबह ही प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर वीडियो फुटेज की जांच की गई। मामले में पोटिया पुलिस थाना क्षेत्र के निमलगांव के रहने वाले चार लड़कों की पहचान की गई जिनकी उम्र करीब 14 साल है। इनमें से तीन को पकड़कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया और चौथे की तलाश की जा रही है।

झारखंड सरकार के फैसले के खिलाफ अनशन पर बैठे एक और जैन मुनि का निधन

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में 25 दिसंबर से झारखंड सरकार के फैसले के विरोध में अनशन पर बैठे एक और जैन मुनि का निधन हो गया। वहां 25 दिसंबर से श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने के झारखंड सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध के लिए अनशन पर बैठे थे। वहीं इसके पहले गुरुवार को सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल बनाए जाने का विरोध कर रहे एक अन्य जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने अपने प्राण त्याग दिए थे। बता दें कि इसके पहले झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने के लिए आदेश जारी किया था। इस लेकर जैन समुदाय में नाराजगी थी और जयपुर में 25 दिसंबर से ही कई जैन मुनियों ने झारखंड सरकार के फैसले के विरोध में आमरण अनशन शुरू कर दिया था। हालांकि जैसे ही गुरुवार को पहले जैन मुनि का निधन हुआ उसके तुरंत बाद ही केंद्र ने पारसनाथ पहाड़ी पर सभी पर्यटन गतिविधियों पर रोक लगा दी थी। पारसनाथ पहाड़ी पर जैन धार्मिक स्थल सम्मेद शिखरजी को लेकर केंद्र ने सोरेन सरकार को इसकी पवित्रता की रक्षा के लिए तुरंत सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिये हैं। सूत्रों की मानें तब ये फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने लिया था। केंद्र ने इस संबंध में राज्य सरकार को एक ज्ञापन भेजा है जिसके मुताबिक झारखंड सरकार जैन मुनियों के पवित्र स्थल पर सभी तरह की पर्यटन गतिविधियों को रोके जाने का आदेश दिया गया था। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैन समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ इस मुद्दे मुलाकात की थी जिसके बाद ही केंद्र की ओर से ये आदेश जारी किया गया था। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री यादव ने जैन समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद उन्हें आश्वासन दिया था कि सरकार सम्मेद शिखरजी पर्वत क्षेत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के लिए एक पवित्र स्थान है।

जानलेवा हुई सर्दी 24 घंटों में कानपुर में हार्ट और ब्रेन अटैक से 25 लोगों की मौत

कानपुर । यूपी में ठंड जानलेवा हो गई है। कड़ाके की सर्दी से शहरवासियों का जीना मुहाल हो गया है। रात का तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो बुधवार के मुकाबले 4 डिग्री सेल्सियस कम है। ऐसे हालात में कानपुर में गुरुवार को केवल दो सरकारी अस्पतालों में 25 लोगों की जान हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक से चली गई। सभी अस्पतालों में मरीजों की पूरे दिन भीड़ लगी रही। हैलट उर्सला और कार्डियोलाजी की ओपीडी में मरीजों की संख्या अधिक रही। लक्ष्मीपत सिंहानिया हृदय रोग संस्थान के निदेशक डॉ। विनय कृष्णा ने बताया कि दिनभर में हृदय रोग से पीड़ित 723 मरीज आए। इनमें 41 मरीजों को भर्ती किया गया। 15 मरीजों की अस्पताल पहुंचने से पहले हो मौत गई। वहीं सात मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दूसरी ओर हैलट अस्पताल में लाई गईं उन्नाव की 65 वर्षीय संध्या कल्याणपुर की 74 वर्षीय रजोल व कन्नौज के 70 वर्षीय जाकिर की मौत ब्रेन स्ट्रोक के कारण हो गई। नए साल में राहत नहीं नव वर्ष से गुरुवार तक शहरवासियों को शीतलहर से राहत नहीं मिल सकी है। पहले 72 घंटों में उत्तर पूर्वी हवाओं के कारण घना कोहरा धुंध रहा। इसके बाद उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से कोहरा छंट गया था। बुधवार व गुरुवार को मिश्रित हवाएं चलने के बाद गलन बढ़ गई। गुरुवार गलन ने शहरवासियों को परेशान कर दिया। गलन की स्थितियों में ठंडे पानी से बचाव करें। शरीर को पूरी तरह ढक कर निकलें। हाथ-पांव तापते रहें। अकारण घरों से न निकलें। गुनगुने पानी से नहाएं। पानी जरूर पीते रहें। तेज हवा चलने के दौरान छोटे बच्चों को धूप में खुला न छोड़ें। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार हवा की दिशा में बदलाव से घना कोहरा छाने की संभावना बढ़ गई है। हल्की बदली हुई तो धूप और कमजोर पड़ सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार के लिए भी डार्क यलो अलर्ट जारी किया है। फिलहाल 7 जनवरी तक कोल्ड डे कंडीशन रहने की संभावना है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विज्ञानी डॉ। एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि कोल्ड डे की स्थितियां बनी रहेंगी। कानपुर मंडल में घना कोहरा संभव है। रात और दिन गलन ऐसी ही बनी रहेगी। धूप भी निकलेगी।

12-13 जनवरी को विशेष वर्चुअल समिट आयोजित करेगा भारत, 120 से ज्यादा देशों को दिया गया निमंत्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इस साल जी20 को लेकर देश में कई बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। इन सब के बीच भारत विशेष वर्चुअल सम्मेलन का भी आयोजित कर रहा है। इसको लेकर आज जानकारी दी गई है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि इस वर्ष भारत द्वारा की जाने वाली एक नई और अनूठी पहल की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हम 12 और 13 जनवरी 2023 को एक विशेष वर्चुअल समिट आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को 'वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' का नाम दिया गया है। इस सम्मेलन की थीम 'यूनिटी ऑफ वॉइस, यूनिटी ऑफ परपज' होगी। उन्होंने दावा किया कि इस सम्मेलन के लिए 120 से ज्यादा देशों को निमंत्रण दिया गया है।

विदेश सचिव ने बताया कि इस सम्मेलन से भारत विकासशील देशों की समस्याओं के समाधान के लिए एक मंच उपलब्ध कराना चाहता है। उन्होंने कहा कि ये सम्मेलन उन देशों के लिए भी एक अवसर है जो ज-20 हिस्सा नहीं हैं। सम्मेलन में 10 सत्र होंगे। 2 सत्र राष्ट्राध्यक्षों के बीच और 8 सत्र मंत्रियों के सत्र के होंगे। उन्होंने कहा कि यह अनिवार्य रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों को एक साथ लाने और मुद्दों की एक पूरी श्रृंखला में एक साझा मंच पर उनके दृष्टिकोण को साझा करने की परिकल्पना करता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह पहल पीएम नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के विजन से प्रेरित है। यह भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन पर भी आधारित है।

मार्च में विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी कर सकता है भारत

भारत मार्च महीने के पहले सप्ताह में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की मेजबानी कर सकता है और वे यूक्रेन संघर्ष समेत वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर चर्चा कर सकते हैं। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत को नवंबर में बाली में हुए समूह के वार्षिक सम्मेलन में इसकी अध्यक्षता देने की घोषणा

हुई थी और उसने आधिकारिक रूप से गत एक दिसंबर को जी20 की अध्यक्षता संभाली। घटनाक्रम के जानकार लोगों ने कहा कि भारत जी20 के विदेश मंत्रियों की बैठक नयी दिल्ली में एक और दो मार्च को आयोजित करने पर विचार कर रहा है। हालांकि तारीख तय नहीं हुई हैं। इस साल होने वाले जी20 के वार्षिक सम्मेलन से पहले भारत अनेक बैठक और कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा।

मेला क्षेत्र को पॉलीथीन मुक्त बनाने एवं साफ-सफाई की उत्तम व्यवस्था बनाये रखने के दिए निर्देश

प्रयागराज।

उ.प्र.मुख्यसचिव दुर्गा शंकर मिश्र एवं पुलिस महानिदेशक डी0एस0 चैहान की अध्यक्षता में मंगलवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में आगामी माघ मेला को सकुशल, सुरक्षित एवं स्वच्छ ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु की गयी तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी बैठक में मुख्य सचिव ने मेला से सम्बंधित विभागों के कार्यो की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को माघ मेला 2023 को सकुशल, सुरक्षित एवं स्वच्छ ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि तैयारियों एवं व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों एवं कल्पवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये, इसकी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित रहे

मुख्य सचिव ने पीडब्लूडी के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यो की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं होनी चाहिए उन्होंने मेला क्षेत्र में चकर्ड प्लेटों से बनायी गयी सड़कों का नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने के लिए कहा, जिससे कि यात्रियों को चलने में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये जल निगम के द्वारा कराये गये कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि मेला क्षेत्र में कहीं पर भी पानी का लिकेज नहीं होना चाहिए उन्होंने जल निगम को 24 घण्टे अनुश्रवण हेतु टीम बनाकर सक्रिय किए जाने के लिए कहा है, जिससे कि कहीं पर भी पानी का जल-जमाव या पानी का रिसाव न होने पाये इसके साथ ही साथ किसी को भी पीने के पानी की असुविधा न होने पाये उन्होंने कहा है कि सभी को समय से पानी का कनेक्शन उपलब्ध हो जाये उन्होंने गंगा प्रदूषण नियंत्रण ईकाई को निर्देशित करते हुए कहा है कि गंगा जी एवं यमुना जी में बिना शोधन किए हुए कोई भी पानी न जाने पाये विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए मेला क्षेत्र में लगायी गयी एलईडी लाईटों के सम्बंध में जानकारी ली उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में विद्युत लोड बढ़ने पर लाइट ट्रिपिंग की समस्या नहीं आनी चाहिए, इसकी व्यवस्था कर लें उन्होंने विद्युत विभाग को मेला क्षेत्र में अच्छी क्वॉलिटी की एमसीवी लगाये जाने के लिए कहा है, जिससे मेला क्षेत्र में शार्ट सर्किट का खतरा न होने पाये उन्होंने इसकी जांच भी करते रहने के निर्देश दिए है स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने मेला क्षेत्र में बनाये गये अस्पतालों में बेड़ों की संख्या के बारे में जानकारी ली उन्होंने मेला क्षेत्र में कोविड से निपटने के लिए की गयी तैयारियों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में तैनात किए गए वालंटियर के माध्यम से जागरूकता भी कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर मास्क एवं सैनेटाइजर रखे जाने के लिए कहा है उन्होंने मेला क्षेत्र में लगायी गयी एम्बुलेंस के बारे में जानकारी प्राप्त की उन्होंने अस्पतालों में वेण्टीलेटर की पर्याप्त व्यवस्था बनाये रखने एवं आक्सीजन प्लांट को चेक कर उसको क्रियाशील बनाये रखने के लिए कहा है

सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने पूरे मेला अवधि में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध जल की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए है उन्होंने कहा कि गंगा जी में जब भी पानी छोड़ा जाये, उसकी सूचना पहले से ही सम्बंधित को उपलब्ध करा दी जाये, जिससे कि पानी बढ़ने से किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाये उन्होंने कहा कि मेले की बसावट ऊंचे स्थान पर हो, जिससे कि पानी बढ़ने पर कल्पवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो मुख्य सचिव ने कहा कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक मुक्त होना चाहिए, इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलायें, जिससे कि लोग पॉलीथिन का प्रयोग न करें। लोगो से मेले को स्वच्छ बनाये रखने की अपील करें तथा ''आपका अपना माघ मेला'' से सम्बंधित लोगो भी पर्याप्त मात्रा में लगाये मुख्य सचिव ने पूरे मेला क्षेत्र में अग्निशमन की समुचित व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है, जिससे कि कहीं पर भी अग्निकांड की घटना न होने पाये मेला क्षेत्र पूरी तरह से फायर प्रूफ होना चाहिए, इसके लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहे।

असम व मेघालय सरकारों ने सीमा विवाद पर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम और मेघालय की सरकारों ने अपने सीमा विवाद को सुलझाने को लेकर दोनों राज्यों के बीच हुए अंतरराज्यीय समझौते के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के मेघालय हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सीमा विवाद को सुलझाने को लेकर दोनों राज्यों के बीच हुए अंतरराज्यीय समझौते पर असम मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की ओर से दाखिल किए गए प्रतिवेदन पर गौर किया। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है क्योंकि उच्च न्यायालय की एकल और खंडपीठ ने उस अंतर-राज्यीय सीमा समझौते के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा हम इस पर सुनवाई करेंगे। कृपया याचिका की तीन प्रतियां सौंपें। मेघालय हाईकोर्ट की एक एकल पीठ ने असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों द्वारा हस्ताक्षरित एक अंतरराज्यीय सीमा समझौते के तहत जमीन पर भौतिक सीमांकन या सीमा चौकियों के निर्माण पर गत वर्ष नौ दिसंबर को अंतरिम रोक लगा दी थी। इसके बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था जिस कारण दोनों राज्यों ने शीर्ष अदालत का रुख किया। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा और असम के उनके समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा ने दोनों राज्यों के बीच अक्सर तनाव उत्पन्न करने वाले 12 विवादित क्षेत्रों में से कम से कम छह के सीमांकन के लिए पिछले साल 29 मार्च में एक समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए थे। असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद 50 साल पुराना है। हालांकि हाल के दिनों में इसे हल करने के प्रयासों में तेजी लाई गई है। दोनों राज्यों की सीमा करीब 884.9 किमी लंबी है। असम से अलग करके 1972 में मेघालय का गठन किया गया था लेकिन नए राज्य ने असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 को चुनौती दी जिसके बाद 12 सीमावर्ती स्थानों को लेकर विवाद शुरू हुआ।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा भाषा किसी भी नस्ल का जीवन है

चेन्नई(एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार भाषा को किसी भी नस्ल का 'जीवन' बताया और तमिल के संवर्धन के लिए उनकी पार्टी द्रमुक द्वारा वर्षों से उठाए गए विभिन्न कदमों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने 1960 के दशक के हिंदी-विरोधी आंदोलन के स्पष्ट संदर्भ में कहा कि तमिल एकमात्र ऐसी नस्ल थी जिसने 'की रक्षा के लिए अपना जीवन दिया'। उन्होंने अपने पिता द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के दिवंगत अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि द्वारा 1974 में दिए गये बयान को उद्धृत किया कि 'सम्मान' सुनिश्चित करना अनिवार्य था।

वह उद्घाटन के बाद चेन्नई साहित्य महोत्सव 2023 को संबोधित कर रहे थे।राज्य में सत्तारुढ़ पार्टी द्रमुक के प्रमुख स्टालिन ने कहा, 'यह समय की मांग है। किसी नस्ल का जीवन है। किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि साहित्य उसका हृदय है। हमारी तमिल नस्ल ने के संरक्षण के लिये अपनी जिंदगी दी। द्रविड़ आंदोलन यद्यपि राजनीतिक था, लेकिन उसने हमेशा की सुरक्षा की।'

उन्होंने बीते वर्षों में अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की विभिन्न तमिल पहलों को याद किया, जिसमें तमिलनाडु के रूप में राज्य का नामकरण, तमिल का शास्त्रीय का दर्जा सुनिश्चित करना, मद्रास का नाम चेन्नई करना, तिरुक्कुरल (जीवन के विभिन्न पहलुओं पर दोहे) को बढ़ावा देना और इसे लिखने वाले संत तिरुवल्लुवर कीकन्याकुमारी में 133 फुट की मूर्ति स्थापित करना शामिल है। स्टालिन ने पढ़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया। प्रख्यात लेखक पॉल जचारिया और बावा चेल्लादुरई समेत कई अन्य लेखकों ने भी इसमें भाग लिया।

भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर पहुंचने पर कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं आजाद के साथ गए कई स्थानीय नेता

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिल सकता है। खबर है कि गुलाम नबी आजाद के साथ कांग्रेस छोड़कर गए कुछ दिग्गज दोबारा कांग्रेस में वापसी करने वाले हैं। राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू और कश्मीर पहुंचने से पहले यह पार्टी के लिए बड़ा फायदेमंद साबित हो सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि साल 2023 में राज्य में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। खबर है कि राज्य के पूर्व उपमुख्यंत्री ताराचंद समेत कई दिग्गज नेता शुक्रवार को कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री पीरजादा मोहम्मद सईद पूर्व विधायक बलवान सिंह और आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा भी कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

आजाद के करीबी माने जाने वाले इन दिग्गज नेताओं ने डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में जाने का फैसला किया था। हालांकि आजाद ने ही तारा चंद बलवान सिंह और पूर्व मंत्री मनोहर लाल शर्मा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते बाहर कर दिया था। इसके बाद वरिष्ठ वकील और जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एमके भारद्वाज समेत समेत करीब 126 नेताओं ने डीएपी छोड़ दी थी।

संभावना जताई जा रही है कि डॉक्टर मनोहर लाल शर्मा कांग्रेस में शामिल ना हो कर निर्दलीय उम्मीदवार रह सकते हैं। अटकलें लगाई जा रही थीं कि आजाद भी कांग्रेस में दोबारा शामिल हो सकते हैं लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया है। वरिष्ठ नेता ने बीते साल अगस्त में करीब 5 दशकों के बाद कांग्रेस को अलविदा कह दिया था।

जागृति क्रिकेट प्रतियोगिता किशुनीपुर बटऊपुर का विजेता हुई अरई की टीम उपविजेता बनी कनकपुर

प्रयागराज। आज युवा जागृति क्रिकेट प्रतियोगिता किशुनीपुर बटऊपुर के मैदान मे सेमी फायनल मुकाबले मे जैतापुर बेस्ट आफ क्रिकेट और सियाडीह के अंसारी क्रिकेट टीम के बीच खेला गया जिसमे पहलें बैटीगं करते हुए जैतापुर की टीम ने 7 ओवरों में 3 विकेट पर 101 रन बनाकर सियाडीह के अंसारी क्रिकेट को 102 रनो का लक्ष्य दिया जिसका पिछा करते हुए सियाडीह की टीम ने 6 विकेट खो कर सिर्फ 70 रन बनाकर सेमीफाइनल से जैतापुर के बेस्ट आफ क्रिकेट क्लब से हार गयी जिसमें जैतापुर के अंसारी क्रिकेट क्लब के बैट्समैन अमन ने लगातार 6 गेदो पर 6 छक्के लगाकर 45 रन बनाकर युवा जागृति क्रिकेट प्रतियोगिता किशुनीपुर बटऊपुर के , राकेश यादव, मुकेश मिश्रा बीबीसी बाबू जी मिटू मिश्रा, समेत सभी लोगों ने अमन को बेस्ट बैटीगं के लिए पुरस्कार दिया उसके बाद दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला जैतापुर बेस्ट आफ क्रिकेट और अरई बाज़ार के खिलाडियों द्वारा खेला गया फाइनल मैच अरई तथा कनकपुर के बीच खेला गया जिसमे अरई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर 3 गेदो पर 7 विकेट खो कर 113 रनों का लक्ष्य कनकपुर को दिया जिसमें कनपुर

की टीम 12 ओवरों में मात्र 90 रन बनकर आल आउट हो कर मैच हार गयी और अरई के खिलाडियों ने जीत हासिल करने मे कामियाब रही इस मुकाबले मे ग्राम प्रधान नीरज पाण्डेय ने विजेताओं को पुरस्कार दिया दूसरी उपविजेता टीम को ध्यानेद्र पाण्डेय ननकू एव डीएम मिश्रा, लक्ष्मी कात पाण्डेय, मित्री पाण्डेय, महेश यादव, नागेन्द्र यादव हर्ष देव ने पुरस्कृत किया मैन आफ द मैच एव अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पूर्व प्रधान राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय ने पुरस्कृत किया।

'वोट बैंक की राजनीति करती थी कांग्रेस', जेपी नड्डा का दावा- भारत की राजनीतिक संस्कृति को क्क्ष्मोदी ने दिया बदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कर्नाटक के तुमकुरु में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि यूपीए पिछली सीट पर कर्नाटक के लोगों के हितों की अनदेखी करता रहा जबकि एनडीए उनके हितों को सबसे आगे रखता रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को गाँव से लेकर राज्य स्तर तक बाँट दिया और वंशवादी शासन को बढ़ावा देने के लिए केवल वोट बैंक की राजनीति की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने वंशवादी राजनीति को समाप्त कर 'विकास की राजनीति' को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हाल तक भारत में 92प्र. मोबाइल फोन आयात किए जाते थे लेकिन आज हम 97प्र. मोबाइल बना कर दुनिया को निर्यात कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि फार्मा में भी, निर्यात में 138प्र. की वृद्धि दर्ज की गई और हमने दुनिया को 90,000 करोड़ रुपये की दवाएं उपलब्ध कराईं। उन्होंने कहा कि बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में, कर्नाटक सरकार की कल्याणकारी नीतियां जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन प्रदान कर रही हैं। 3 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के घर आवंटित किए गए हैं और लगभग 11 करोड़ गैस सिलेंडर वंचित लोगों को प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक अब भारत का शीर्ष एफडीआई गंतव्य है। राज्य के इन्फ्रा सेक्टर में काफी विकास हुआ है और विशेष रूप से, कोंकण रेलवे ने हाल ही में 100प्र. विद्युतीकरण प्राप्त किया है। हमें यह समझना होगा कि 'विकास' और 'प्रगति' भाजपा के पर्याय हैं, जबकि 'विकास विरोधी' और 'विनाश' कांग्रेस के पर्याय हैं।

इससे पहले नड्डा ने एक कार्यक्रम में कहा कि जैसा कि कर्नाटक में चुनाव नजदीक हैं, यहां के लोगों से बातचीत करना और पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर कैसे आगे बढ़ रहा है, इस पर चर्चा करना मेरी प्रमुख जिम्मेदारी बन जाती है। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था, तो यह सिर्फ प्रधानमंत्री का, पार्टी का, सरकार का, लोगों के सेट का बदलाव नहीं था, यह वास्तव में देश में राजनीतिक संस्कृति का बदलाव था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यूपीए जैसी पिछली सरकारें वंशवादी पार्टियां थीं। वे वोट बैंक की राजनीति में विश्वास करके सरकार चला रहे थे। वे बांटो और राज करो की बुनियाद पर अमल कर रहे थे और देश को जातियों और धर्म के आधार पर बांट रहे थे।

युद्धग्रस्त यूक्रेन को एपीसी और एक पैट्रियट मिसाइल बैटरी भेजेगा जर्मनी

बर्लिन । जर्मनी युद्धग्रस्त यूक्रेन को बख्तरबंद कार्मिक वाहन (एपीसी) और एक पैट्रियट मिसाइल बैटरी भेजेगा। एपीसी ऐसा बख्तरबंद सैन्य वाहन है जिसे युद्ध क्षेत्र में सैनिकों तथा उपकरणों को ले जाने के लिए बनाया गया है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से बात की थी जिसके बाद जर्मनी-अमेरिका ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर यह घोषणा की। पैट्रियट यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सबसे उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। जर्मनी ने मार्डर बख्तरबंद वाहन भेजने का फैसला तब किया है जब फ्रांस ने कहा कि वह बख्तरबंद युद्धक वाहन भेजने के लिए जल्द ही यूक्रेन से बातचीत करेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह पहली बार होगा जब पश्चिम निर्मित टैंक विध्वंसक यूक्रेन सेना को दिया जाएगा। जर्मन सरकार ने यह नहीं बताया कि कितने एपीसी दिए जाएंगे या कब तक दिए जाएंगे। उसने कहा कि जर्मनी इसके संचालन के लिए यूक्रेनी सैनिकों को प्रशिक्षण देगा। बयान में कहा गया है कि अमेरिका ने पिछले महीने ऐलान किया था कि वह यूक्रेन को एक पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइल बैटरी देगा और 'यूक्रेन को एक अतिरिक्त पैट्रियट वायु रक्षा बैटरी देने में जर्मनी भी अमेरिका का साथ देगा। जर्मनी ने पहले ही यूक्रेन को अहम सैन्य सहायता दी है जिसमें स्वचालित विमान-रोधी बंदूक और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली आईआरआईएस-टी शामिल है। इसके बावजूद शोल्ज पर अपने देश में ही यूक्रेन को मार्डर वाहन समेत और अधिक हथियार भेजने का दबाव है।

चीन से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड जांच अनिवार्य करे : यूरोपीय संघ

जिनेवा । यूरोपीय संघ ने अपने सदस्य देशों से कहा कि वे चीन से आने वाले यात्रियों के लिए विमान में सवार होने से पहले कोविड जांच अनिवार्य करने का नियम बनाएं। बहरहाल इस बयान से बीजिंग नाराज हो सकता है और वैश्विक विमानन उद्योग पहले ही उसकी आलोचना कर चुका है। यूरोपीय संघ के स्वास्थ्य विशेषज्ञों में सप्ताहभर चली वार्ता के बाद ईयू ने सभी 27 सदस्य देशों को इसतरह की यात्रा प्रतिबंध लागू करने से रोक दिया जो इटली फ्रांस और स्पेन जैसे देश पहले से ही लागू कर चुके हैं। चीन पहले से ही ऐसी कार्रवाई को जोरदार ढंग से खारिज कर चुका है और ईयू के देशों में ऐसी नीतियां लागू होने पर समान प्रतिक्रिया देने की भी चेतावनी दी है। चीनी सरकार और यूरोपीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा है कि चूंकि चीन से निकले कोरोना के स्वरूप पहले से ही यूरोप में हैं तब यात्रा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। इससे पहले बुधवार को दुनियाभर में लगभग 300 एयरलाइनों के ''अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ'' (आईएटीए) ने विरोध का जोरदार समर्थन किया।

किशिदा-बिडेन बैठक से पहले जापान-अमेरिका के बीच होगी रक्षा मुद्दों पर वार्ता

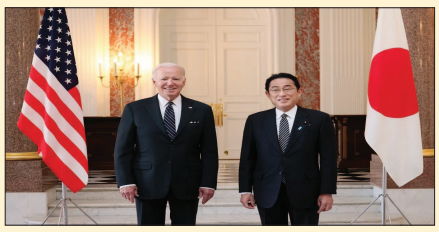

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के अगले सप्ताह अमेरिका दौरा पर जाने से पहले दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच रक्षा सहयोग को लेकर वार्ता होगी। किशिदा जी-7 देशों के अपने दौरे के अंतिम चरण में अमेरिका पहुंचेंगे। किशिदा फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और कनाडा समेत छह देशों की अपनी यात्रा सोमवार को शुरू करेंगे और 13 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करेंगे। जापानी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा और विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी अपने अमेरिकी समकक्षों क्रमशः लॉयड ऑस्टिन और एंटोनी ब्लिंकन से ''टू प्लस टू'' सुरक्षा वार्ता के लिए बुधवार को रवाना होंगे। यह वार्ता व्हाइट हाउस में होगी। इस वार्ता में, जापान द्वारा पिछले साल दिसंबर के अंत में तथा अमेरिका द्वारा अक्टूबर में जारी की गईं नयी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों के साथ ही चीन, उत्तर कोरिया व रूस जैसी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर मुख्य जोर रहने की संभावना है। हमादा ने शुक्रवार को बताया कि वह और ऑस्टिन बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय रक्षा बैठकों में सैन्य बलों के विस्तार की संभावनाओं और उनके अभियानों को सघन करने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट 16वें को श्रंद्धाजलि अर्पित की

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पोप एमेरिटस (सेवामुक्त) बेनेडिक्ट 16वें को श्रंद्धाजलि अर्पित की। बेनेडिक्ट जॉन पॉल के निधन के बाद 2005 में पोप चुने गए थे छह सदियों में इस पद से इस्तीफा देने वाले पहले कैथोलिक धर्मगुरु थे। उन्होंने 2013 में यह पद छोड़ने की घोषणा की थी। बाइडन यहां वेटिकन दूतावास पहुंचे और उन्होंने वहां बेनेडिक्ट के निधन से जुड़ी शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। बाइडन ने शोक संदेश लिखने के बाद कहा यह बेहद सम्मान की बात है।'' शोक पुस्तिका एक मेज पर रखी हुई थी और उसके पीछे बेनेडिक्ट 16वें की तस्वीर रखी हुई थी। राष्ट्रपति ने कहा कि बेनेडिक्ट ''शानदार व्यक्ति'' थे और उन्होंने पोप के साथ गुजारे गए वक्त को याद किया। उन्होंने कहा '' मुझे वह शांत और तार्किक लगे। मैने उनकी प्रशांसा की और मुझे वह शानदार लगे।''

पत्नी ने तलाक मांगा तो पति ने परिवार के 5 बच्चों समेत 7 को मार डाला खुद को भी मारी गोली

वॉशिंगटन । अमेरिका के हनोक शहर में एक दिल दहला दने वाली घटनी हुई है। पत्नी ने तलाक मांगी तो पति ने परिवार के 5 बच्चों समेत 7 को मार डाला और खुद को भी गोली मारकर मौत को गले लगा लिया। अमेरिकी अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पत्नी द्वारा तलाक मांगने की वजह से शख्स ने 5 बच्चों सहित अपने परिवार के सात लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसमें उसकी पत्नी उसकी मां और दंपती की 3 लड़कियां और चार से 17 साल के बीच के दो लड़के भी मृत पाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना हनोक शहर के यूटा इलाके में घटी थी। इलाके में पुलिस को आठ शव मिले थे उनमें से एक चार साल की बच्ची का भी शव था। अधिकारियों का कहना है कि सबके शरीर पर गोली के निशान हैं। साक्ष्य बताते हैं कि संदिग्ध ने घर में लोगों की हत्या करने के बाद खुद की भी जान ले ली। हनोक के मेयर जेफ्री चेसनट ने कहा कि गोलीबारी की यह घटना स्पष्ट रूप से वैवाहिक संबंध टूटने के बाद हुई है। उन्होंने कहा कि अदालत के दस्तावेजों के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि (तलाक याचिका) 21 दिसंबर को दायर की गई थी और यह पत्नी द्वारा दायर की गई थी। चीफ जैक्सन एम्स ने कहा कि वे इस परिवार से परिचित थे जब कुछ साल पहले इन सभी ने एक जांच में मदद की थी।

अफगानिस्तान व पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में डोली धरती

-एनएसएमसी के अनुसार 5.8 तीव्रता का था भूकंप

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में गत दिवस यानी गुरुवार को 5.8 तीव्रता का भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण किसी भी प्रकार का जानमाल का नुकसान होने की जानकारी नहीं है। भूकंपीय केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में सतह से 173 किलोमीटर नीचे था। हालांकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने दावा किया कि भूकंप की तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 5.5 दर्ज की गई।

कैलीफोर्निया में भारी बारिश और बाढ़ के बीच ड्रोन से ली गयी एक तस्वीर।

हांगकांग रविवार को चीन से लगी सीमा को फिर से खोलना शुरू करेगा

हांगकांग रविवार को चीन के साथ लगी अपनी सीमा को फिर से खोलना शुरू कर देगा, जिससे हर दिन हजारों लोगों को दोनों तरफ आवाजाही की अनुमति मिलेगी। शहर के नेता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चीन की 'शून्य कोविड' नीति के कारण लगभग तीन वर्षों सेचीन के साथ शहर की जमीनी और समुद्री सीमा चौकियां बंद थीं और जिससे देश में प्रवेश प्रतिबंधित था। सीमाओं के फिर से खुलने से हांगकांग की अर्थव्यवस्था को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। बृहस्पतिवार की घोषणा तब हुई जब चीन दुनिया के कुछ सबसे सख्त वायरस रोधी उपायों में ढील दे रहा है। चीन की सरकार ने एक बयान में कहा कि रविवार से चीन धीरे-धीरे हांगकांग और देश के बीच उड़ानों की संख्या में वृद्धि करेगा और शहर से उड़ानों के लिए यात्री संख्या की सीमा को समाप्त कर देगा। मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मेरा व्यक्तिगत झुकाव है, यदि कारक अनुमति देते हैं, तो मैं बड़ी संख्या में लोगों को वहां से गुजरने देना चाहता हूं क्योंकि यह स्थानीय और विदेशी दोनों तरह के बहुत से लोगों की मांग रही है - हांगकांग में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने की कामना।' ली ने कहा कि इस कदम के पहले चरण के दौरान, चार सीमा चौकियां जो लगभग तीन वर्षों से बंद थीं वे फिर से शुरू हो जाएंगी तथा शहर में चौकियों की संख्या बढ़कर सात हो जाएगी। फिलहाल हांगकांग में तीन चौकियों को छोड़कर सभी चौकियां बंद हैं।

पुतिन ने किया 36 घंटे का संघर्ष विराम यूक्रेन ने कहा यहां पाखंड दिखाना बंद करे

कीव (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने सशस्त्र बलों को 'ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस' की छुट्टी के लिए इस सप्ताहांत में यूक्रेन में एकतरफा 36 घंटे का संघर्ष विराम रखने का आदेश दिया। 'ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस' हर साल सात जनवरी को मनाया जाता है। 'ऑर्थोडॉक्स' गिरजाघर अब भी जूलियन कैलेंडर के अनुसार यीशु का जन्मदिन मनाता है। रूस ने पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला किया था इसके बाद से पहली बार मास्को ने संघर्ष विराम रखने की घोषणा की है। बहरहाल यूक्रेन ने अपनी ओर से संघर्ष विराम रखने का कोई संकेत नहीं दिया।

रुसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु को आदेश भेजा है इस क्रेमलिन की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया। आदेश के अनुसार इस तथ्य को ध्यान में रखकर बड़ी संख्या में रूढ़िवादी (ऑर्थोडॉक्स) नागरिक युद्ध क्षेत्रों में रहते हैं हम यूक्रेनी पक्ष से संघर्ष विराम की घोषणा करने और उन्हें क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सेवाओं में भाग लेने के साथ-साथ उन्हें यीशु का जन्मदिवस मनाने का अवसर देने को कहते हैं। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार माईखाइलो पोडोलीक ने ट्वीट किया कि रूसी बलों को '' कब्जा किए गए क्षेत्र से बाहर निकलना चाहिए तभी वहां अस्थायी युद्धविराम होगा।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यह काफी ''अजीब'' है कि पुतिन क्रिसमस और नववर्ष पर अस्पतालों नर्सरी और गिरजाघरों पर बम गिराने को तैयार थे। उन्होंने कुछ स्पष्ट किए बिना कहा मुझे लगता है कि वह कुछ देर राहत की सांस लेना चाहते हैं।'' अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका को ''इस घोषणा के पीछे के इरादों पर थोड़ा विश्वास है। उन्होंने कहा हालांकि यह रूस की योजना या उसके रूख में बदलाव का कोई संकेत नहीं देता।

पीएम मोदी सिख समुदाय के लिए काफी कुछ कर रहे हैं : दर्शन सिंह धालीवाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी उद्योगपति दर्शन सिंह धालीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में और देश के बाहर भी सिख समुदाय के लिए काफी कुछ कर रहे हैं। इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान के लिए चुने गए 27 लोगों में धालीवाल का नाम भी शामिल है। धालीवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' मुझे लगता है कि मोदी सिख समुदाय के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। वह देश के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं, खासकर सिखों के लिए वह काफी कुछ कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह और क्या कर सकते हैं।'' धालीवाल अमेरिका से इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान के लिए चुने गए दो लोगों में से एक हैं।

'फेडएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजेश सुब्रमण्यम को भी इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। भारत सरकार द्वारा भारतीय मूल के लोगों को दिया जाने वाला यह सर्वोच्च सम्मान है। इंदौर में आठ से 10 जनवरी को आयोजित हो रहे प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) के दौरान भारतीय राष्ट्रपति द्वारा यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मूल रूप से पंजाब के रहने वाले धालीवाल 1972 में अमेरिका आ गए थे। उन्होंने अपने भाइयों के साथ पेट्रोल और रियल एस्टेट क्षेत्र में कारोबार शुरू किया। उनके कई व्यापार हैं, इसके अलावा उनके पास 1,000 से अधिक पेट्रोल स्टेशन हैं, जिनसे होने से वाली वार्षिक आय करीब दो अरब डॉलर है।

धालीवाल ने कहा, '' मैं भारत सरकार (इस पुरस्कार के लिए) का शुक्रगुजार हूं। मैं वास्तव में हैरान था (जब मैंने पुरस्कार विजेताओं के बीच अपना नाम देखा)। यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था कि मुझे यह पुरस्कार मिल रहा है।'' धालीवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, '' मुझे लगता है कि हमारे पास सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री हैं। हमें उनके साथ काम करना चाहिए और उन्हें उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद करनी चाहिए। वह देश के लिए काफी अच्छा कर रहे हैं और जब भारत अच्छा करता है तो हम (भारतीय मूल के लोग) अच्छा करते हैं।

समुद्री राक्षस वेरिएंट भारत सहित दुनिया के कई देशों में तेजी से फैल रहा

वॉशिंगटन। कोरोना का एक्सबीबी.1.5 संस्करण अब दुनिया के 29 देशों में फैल गया है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि यह कोरोना का क्राकेन या समुद्री राक्षस वेरिएंट अब तक का सबसे तेजी से फैलने वाला कोविड सब वेरिएंट बन गया है। संगठन ने कहा कि हम इसके विकास और तेजी से हो रहे प्रसार को लेकर चिंतित हैं। हमें आशंका है कि आने वाले समय में दुनिया में कोरोना की और ज्यादा सुनामी आ सकती है। यह वेरिएंट भारत में भी कदम रख चुका है और कई मरीज मिले हैं। कोरोना का ताजा सबवेरिएंट भी ओमिक्रॉन से निकला है इस आधिकारिक रूप से एक्सबीबी.1.5 नाम दिया गया है। इस वेरिएंट ने पहले पूरे अमेरिका में तबाही मचाना शुरू कर दिया है। अमेरिका में हो रहे कुल नए कोरोना संक्रमण में से 70 फीसदी इसी वेरिएंट की वजह से हो रहे हैं। हर 10 में से 4 व्यक्ति इसी संस्करण से संक्रमित है। यह वायरस अब ब्रिटेन में भी तेजी से फैल रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि एक्सबीबी.1.5 वेरिएंट भी अपने पूर्वज ओमिक्रोन और अन्य वेरिएंट की तरह से हल्का है। इस लेकर चिंता है कि अमेरिका में यह एक्सबीबी.1.5 वेरिएंट किस तरह से फैल रहा है। इसके कई मरीज भारत में भी मिले हैं। डब्ल्यूएचओ की कोरोना को लेकर तकनीकी टीम की प्रमुख डॉक्टर मारिया वान ने कहा हम अमेरिका और यूरोप में इसके तेजी से प्रसार को खासकर चिंतित हैं। इसमें भी अमेरिका के पूर्वोत्तर इलाके को लेकर जहां एक्सबीबी.1.5 तेजी से अन्य वेरिएंट को पीछे छोड़ रहा है। हमारी चिंता इस बात को लेकर है कि यह कितना संक्रमण फैला सकता है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर बृहस्पतिवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे। वहां उन्होंने सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की। जनरल मुनीर बृहस्पतिवार तड़के सऊदी अरब पहुंचे जहां रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद ने उनका स्वागत किया। सऊदी की सरकारी प्रेस एजेंसी के अनुसार, बैठक के दौरान, उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अनुसार, उन्होंने सैन्य और रक्षा सहयोग पर चर्चा करते हुए उन्हें सहयोग करने व बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने समान हितों के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। इस बैठक में सऊदी अरब के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल फय्याद बिन हमद अल-रुवैली, सहायक रक्षा मंत्री इंजीनियर तलाल बिन अब्दुल्ला अल-ओक्लैबी और कई सऊदी व पाकिस्तान के सैन्य व प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

तहरीक-ए-तालिबान के 11 आतंकियों को पाकिस्तान ने मार गिराया, टीटीपी कमांडर हफीजुल्लाह की भी मौत

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान इस समय दुनिया में अपनी आतंक को पनाह देने वाली छवि को सुधारने में लगा हुआ है। इस लिए वैश्विक मंच पर सबको यह बता रहा है कि वह आतंकवाद के खिलाफ है। पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते इस वक्त अच्छे दौर से नहीं गुजर रहे है। ऐसे में पाकिस्तान में जड़ जमाएं बैठे तहरीक-ए-तालिबान के साथ भी शहबाज शरीफ का 36 का आंकड़ा चल रहा है। पाकिस्तान सरकार अपने विरोधियों को खत्म करने पर लगी हुई हैं। पाकिस्तान का ये रुख देखकर तालिबान पहले ही चेता चुका है कि पाकिस्तान उससे बेवजह उलझने की कोशिश न करें। वरना अंजाम खतरनाक होंगे?

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 11 आतंकवादियों को मार गिराया

ऐसी स्थिति में कुछ ऐसे आतंकी संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है जो शहबाज सरकार के खिलाफ है। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम में एक तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने दो आत्मघाती हमलावरों समेत 11 आतंकवादियों को मार गिराया। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स' (आईएसपीआर) के एक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान के अनुसार, अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान के वाना जिला मुख्यालय में चलाये गये अभियान में कमांडर हफीजुल्ला तोरे उर्फ तोरे हाफिज भी मारा गया। उसने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किये हैं।

सेना के मीडिया विंग ने कहा कि वाना में एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में, सुरक्षा बलों ने टीटीपी आतंकवादियों के एक ठिकाने पर छापा मारा और टीटीपी कमांडर हफीजुल्लाह सहित कम से कम 11 आतंकवादियों को मार गिराया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार शाम जारी एक बयान में कहा, 'ऑपरेशन ने एक बड़ी आतंकवादी गतिविधि को नाकाम कर दिया'।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि टीटीपी कमांडर हफीजुल्लाह आजम वारसाक, राघजई और वाना में पुलिस स्टेशनों पर हमलों के साथ-साथ जबरन वसूली और स्थानीय लोगों के अपहरण में शामिल था। 40 वर्षीय आतंकवादी, जो एक वज़ीर उप-जनजाति तोजय खेल से ताल्लुक रखता था, 2007 से पहले वाना में उज़्बेकों में शामिल हो गया था, जब मुल्ला नज़ीर, एक स्थानीय आतंकवादी, और स्थानीय लोगों ने उज़्बेक उग्रवादियों के खिलाफ उन्हें बाहर निकालने के लिए हाथ मिलाया।

हफीजुल्लाह कुछ समय के लिए शांत रहा लेकिन बाद में प्रतिबंधित टीटीपी में शामिल हो गया और अफगानिस्तान चला गया। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन हमले में मुल्ला नज़ीर के मारे जाने के बाद वह पाकिस्तान लौट आया, दावा किया कि टीटीपी के सहयोगी अफगानिस्तान गए थे, लेकिन जो लोग वाना से संबंधित थे उन्हें वापस जाने की अनुमति दी गई थी। सूत्रों ने कहा कि जो लोग पाकिस्तान लौट आए थे, वे कुछ समय बाद हफीजुल्लाह के नेतृत्व में एक साथ हो गए।

क्या श्रीलंका बन रहा है पाकिस्तान? जनता कर रही है खाद्य संकट का सामना, लगातार हो रही है एलपीजी गैस सिलेंडरों की जमाखोरी

टोक्यो (एजेंसी)। पाकिस्तान सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है क्योंकि देश विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के मुद्रा भंडार में 6.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच, चीन ने भी देश में अपना निवेश कम कर दिया है। देश की राजनीति भी लड़खड़ा रही है, जिसका अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक का विदेशी मुद्रा भंडार आठ वर्ष के निचले स्तर 5.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे देश के सामने चूक का जोखिम भी बढ़ गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह कहा गया। अर्थव्यवस्था को संभालने के सरकार के प्रयासों के बावजूद देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) का विदेशी मुद्रा भंडार 30 दिसंबर 2022 को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान घटकर 5.576 अरब डॉलर रह गया जो इसका आठ साल का निचला स्तर है। इस हफ्ते के दौरान, बाहरी कर्ज के पुनर्भुगतान के लिए एसबीपी के विदेशी विनिमय भंडार से 24.5 करोड़ डॉलर की निकासी हुई है। अब पाकिस्तान सरकार के समक्ष चूक का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अगली किस्त जारी करने को वार्ता फिर से शुरू करने के अनेक प्रयास भी अब तक विफल रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी 2022 में एसबीपी का विदेशी मुद्रा भंडार 16.6 अरब डॉलर था जिसमें 11 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 5.6 अरब डॉलर रह गया। ऐसे में पाकिस्तान सरकार के पास विदेशी कर्ज को चुकता करने के लिए मित्र देशों से और कर्ज लेने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक देश के पास विदेशी मुद्रा को जो भंडार बचा है उससे महज तीन हफ्ते का आयात ही किया जा सकता है।

हाल ही में, पाकिस्तान की सरकार ने अपनी नई ऊर्जा संरक्षण योजनाओं के तहत सभी मॉल और बाजारों को रात 8:30 बजे तक बंद करने का आदेश दिया है। इसके अलावा, उन्होंने लगभग 62 बिलियन पाकिस्तानी रुपये (273 मिलियन डॉलर) की नकदी-संकटग्रस्त देश को बचाने के लिए रेस्तरां को जल्दी बंद करने के लिए भी कहा है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डिफॉल्ट भय को कम करने के लिए संघर्ष कर रहा है, नौवें कार्यक्रम की समीक्षा पर मतभेदों के कारण . 1.1 बिलियन आईएमएफ बेलआउट किश्त अटक गई है, जिसे नवंबर में पूरा किया जाना चाहिए था। पाकिस्तान की ऊर्जा संरक्षण योजना में क्रमशः फरवरी और जुलाई से ऊर्जा-अकुशल बल्बों और पंखों के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल था। देश के रक्षा मंत्री के अनुसार, सर्दियों में 12,000 मेगावाट की तुलना में पाकिस्तान की चरम गर्मी बिजली की खपत 29,000 मेगावाट (मेगावाट) थी।

अल अरबिया पोस्ट ने बताया कि ऊर्जा संकट के बीच, देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र, यानी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लोग गैस सिलेंडरों की जमाखोरी कर रहे हैं। देश में खाद्य संकट भी गहरा गया है। साथ ही कुछ वीडियो में लोग अपने एलपीजी सिलेंडर भरने के लिए प्लास्टिक के गुब्बारों का इस्तेमाल करते देखे गए। खाद्य मुद्रास्फीति साल-दर-साल 35.5प्र. बढ़ी, जबकि पाकिस्तान में दिसंबर में परिवहन की कीमतें 41.2प्र. बढ़ीं। इस बीच, श्रीलंका एक साल से अधिक समय से बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है, जो मुख्य रूप से सात दशकों में सबसे खराब वित्तीय संकट के कारण हुआ है। कोविड़-19 महामारी के बाद पर्यटन और विदेशों में काम करने वाले नागरिकों के प्रेषण में गिरावट के बाद द्वीप देश वित्तीय संकट में डूब गया। यूक्रेन में युद्ध ने आयात, विशेष रूप से ईंधन की कीमतों में तेजी से वृद्धि की।

जुलाई में राष्ट्रपति देश छोड़कर भाग गए और इस्तीफा दे दिया। तब तक, श्रीलंका अंततः आईएमएफ के साथ जुड़ गया और दोनों पक्षों ने तब से प्रारंभिक 2.9 बिलियन का ऋण समझौता किया। लेकिन यह भारतीय सहायता थी जिसने श्रीलंका को समय खरीदने में मदद की। भारत ने जनवरी और जुलाई के बीच लगभग 4 बिलियन डॉलर की त्वरित सहायता प्रदान की, जिसमें क्रेडिट लाइन, एक मुद्रा स्वैप व्यवस्था और आस्थगित आयात भुगतान शामिल थे, और द्वीप के 22 मिलियन लोगों के लिए आवश्यक दवाओं को ले जाने वाला एक युद्धपोत भेजा। नवंबर 2022 में श्रीलंका की प्रमुख मुद्रास्फीति दर दिसंबर में 61प्र. से घटकर 57.2प्र. हो गई।

संपादकीय

संवेदनहीनता की हद

नये साल की भोर से पहले दिल्ली की सुल्तानपुरी में स्कूटी सवार लड़की के साथ जो क्रूरता हुई उसने हर भारतीय को विचलित किया। एक कार ने न्यू ईअर पार्टी से लौट रही लड़की को टक्कर मारी और फिर कार के नीचे फंसी इस लड़की को बारह किलोमीटर कंझावला तक घसीटा गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कार चालक व सवार लोगों की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखिए कि उन्होंने तड़पती लड़की को रौंदती गाड़ी में कुछ असामान्य महसूस नहीं किया। असंभव है कि स्कूटी को हिट करके भागने के बाद उन्हें कुछ असामान्य घटता महसूस न हुआ हो। विडंबना देखिये कि देश की राजधानी में नये साल के हुड़दंग के चलते पुलिस की सख्ती और ज्यादा फोर्स व गश्ती वाहन तैनात करने के दावे किये जा रहे थे। जगह-जगह पर पुलिस के नाके लगाने के दावे के बावजूद किसी पुलिस वाले की नजर अपराधियों पर नहीं पड़ी। इस रास्ते पर सीसीटीवी कैमरों का न होना भी सवाल खड़ा करता है। बताते हैं कि प्रत्यक्षदर्शियों ने कार से लड़की को घसीटता देखे जाने के बाद पुलिस को फोन किया लेकिन वह तब पहुंची जब लड़की दम तोड़ चुकी थी। पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है, जिसमें एक राजनीतिक दल का नेता भी है। हालांकि, मृतका के परिजन यौन हिंसा के बाद हत्या होने के आरोप लगाते रहे, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह आरोप पुष्ट नहीं हुआ। हालांकि, बाद में युवती के साथ स्कूटी पर जा रही लड़की ने स्पष्ट किया कि उनकी स्कूटी को कार ने टक्कर मारी थी। उसने यह भी दलील दी कि वह जांच-पड़ताल के डर से घटना स्थल से भाग गई थी। आरोपियों की दलील है कि कार में तेज संगीत चल रहा था और नशे के कारण कार के नीचे किसी के होने का पता उन्हें नहीं चला। उनके इस आपराधिक कृत्य के लिये ऐसी दलील स्वीकार्य नहीं है। निस्संदेह, कार सवारों के इस अमानवीय कृत्य को किसी भी कीमत पर माफ नहीं किया जा सकता। उन्हें इसके लिये कड़ा दंड मिलना ही चाहिए। यह सिर्फ 'हिट एंड रन' का ही मामला नहीं है। वे एक क्रूर हत्या के भी गुनहगार हैं। कल्पना करके भी डर लगता है कि एक जिंदगी कार के टायरों व सड़क के बीच रौंदी जाती रही और पुलिस व समाज से उसे कोई मदद नहीं मिली। इस भयानक कृत्य में पुलिस की लापरवाही अक्षम्य है। पुलिस चुस्त-दुरुस्त होती तो शायद एक जान बच जाती। शायद पुलिस-कानून का भय समाप्त होने से अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। सवाल आये दिन घटने वाली अमानवीय घटनाओं का भी है। आखिर इंसान इतना संवेदनहीन व क्रूर क्यों होता जा रहा है? नये साल मनाने का ऐसा जुनून भी क्या कि एक लड़की की दर्दनाक चीख शराब के नशे और कानफोड़ू संगीत के तले दब कर रह गई। कार चालकों में इंसानियत होती तो वे स्कूटी को टक्कर मारने के बाद उसका हालचाल पूछते। उसे यदि अस्पताल ले जाते तो शायद उसकी जिंदगी बच जाती। यह अक्षम्य अपराध है कि पहले स्कूटी को टक्कर मारी, लड़की को रौंदा और फिर उसे घसीटते हुए भाग खड़े हुए। घटना किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। जो मानवीय मूल्यों के क्षरण के खतरों से हमें रूबरू कराती है। विडंबना यह है कि इस घिनौने कृत्य से एक ऐसी लड़की की जिंदगी चली गई जो एक बीमार मां, चार बहनों व दो छोटे भाइयों के जीवनयापन के लिये संघर्ष कर रही थी। इस वीभत्स कांड की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पुलिस की जवाबदेही के साथ मामले की जांच होनी चाहिए। साथ ही दुपहिया वाहनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। खासकर जो लोग विषम परिस्थितियों में काम करके लौट रहे होते हैं। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में आधे दोपहिया वाहनों का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह चौबीसों घंटे की पुलिस गश्त और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ऐसी मौतों को कम करने में मददगार साबित हो सकती है।

राजस्थान में जमीनी कार्यकर्ताओं को मिले महत्व

राजनीतिक नियुक्तियों में उन्हीं लोगों को पद मिले हैं जो मौजूदा विधायकों या बड़े नेताओं के नजदीकी रहकर चापलूसी की राजनीति करते हैं। जो लोग सत्ता की दलाली करते हैं। वह जोड़ तोड़ कर सरकारी पदों पर आसीन हो जाते हैं। जबकि नीचे के स्तर पर काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को कोई भी नहीं पूछता है। कांग्रेस पार्टी में जब तक ग्रास रूट वर्कर को महत्व नहीं मिलेगा तब तक किसी भी स्थिति में फिर से सरकार नहीं बना पाएगी। सत्ता की मलाई खाने वाले अधिकांश नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते मौका देखकर दल बदलने में भी देर नहीं लगाते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के मन में पार्टी के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी रहती है और वह किसी भी स्थिति में पार्टी को नहीं छोड़ते हैं।

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी मुख्य विपक्षी दल भाजपा तिकोनी टक्कर बनाने में जुटी बसपा आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन वामपंथी दल भारतीय ट्राइबल पार्टी सभी अगले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ होने का सपना देख रहें हैं। कांग्रेस के नेता जहां फिर से सरकार रिपीट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं भाजपा सरकार बनाने की अपनी बारी का इंतजार कर रही है। अन्य राजनीतिक दल इन दोनों ही दलों को पटखनी देकर अगली सरकार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। राहुल गांधी की राजस्थान में 18 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस गदगद नजर आ रही है। वहीं भाजपा गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदेश में निकाली गई जनाक्रोश यात्राओं में ज्यादा भीड़ नहीं जुटा पाने से हताश नजर आ रही है। अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी राजस्थान के कई जिलों की यात्राएं कर जनमानस का मूड टटोल चुके हैं। बसपा भी अपने जर्जर संगठन को एक बार फिर नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी की पदयात्रा राजस्थान में आठ जिलों से होकर गुजरी थी। उस दौरान प्राय सभी छोटे-बड़े नेता राहुल गांधी से मिलकर उन्हे अपने विचारों से अवगत करवाया था। राहुल गांधी ने सभी की बातें बड़े ध्यान से सुनी थी। बहुत से लोगों ने राहुल गांधी को गहलोत सरकार की कई खामियों के बारे में भी बताया था। जिनको लेकर राहुल गांधी ने यात्रा के अंतिम दिन अलवर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक कर सभी बातों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की व प्रदेश में जो समस्याएं हैं उनका समाधान निकालने के लिए भी मुख्यमंत्री को कहा था। राजस्थान कांग्रेस में सितंबर महीने में चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पार्टी की फूट खुलकर सड़कों पर आ गई थी। मगर राहुल गांधी के यात्रा के बाद कांग्रेस एक बार फिर से एकजुट नजर आने लगी है। अजय माकन के इस्तीफे के बाद पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। वह भी प्रदेश में लगातार दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं तथा पार्टी में आपसी एकता कायम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगली बार फिर से सरकार रिपीट करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अगले साल का बजट पूरी तरह किसानों व गरीबों को समर्पित होगा। गहलोत सरकार द्वारा वोट बटोरने के लिये अगले बजट में कई लोक लुभावनी घोषणाएं भी की जाएगी। कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता बढ़-चढ़कर दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में कई हजार लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दी गई है। जिनकी बदौलत पार्टी को अगले चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस बात को भूल जाते हैं कि राजनीतिक नियुक्तियों में जिनको बड़े पद दिए गए हैं वह सभी पार्टी के बड़े नेता हैं। अधिकांश बड़े पदों पर विधायकों पूर्व सांसदों पूर्व विधायकों व संगठन में बड़े पदों पर रहे नेताओं को ही समायोजित किया गया है। आम जनता के बीच रहकर रात दिन पार्टी के लिए काम करने वाले उन कार्यकर्ताओं को क्या मिला जो बूथों पर जाकर पार्टी के पक्ष में वोट डलवाते हैं तथा विपक्षी दलों के लोगों से झगड़ा तक करते हैं। आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं। रात दिन कांग्रेस के नाम की माला जपते हैं। वैसे लोगों का राजनीतिक नियुक्तियों में कहीं भी नाम नहीं है। राजनीतिक नियुक्तियों में उन्हीं लोगों को पद मिले हैं जो मौजूदा विधायकों या बड़े नेताओं के नजदीकी रहकर चापलूसी की राजनीति करते हैं। जो लोग सत्ता की दलाली करते हैं। वह जोड़ तोड़ कर सरकारी पदों पर आसीन हो जाते हैं। जबकि नीचे के स्तर पर काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को कोई भी नहीं पूछता है। कांग्रेस पार्टी में जब तक ग्रास रूट वर्कर को महत्व नहीं मिलेगा तब तक किसी भी स्थिति में फिर से सरकार नहीं बना पाएगी। सत्ता की मलाई खाने वाले अधिकांश नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते मौका देखकर दल बदलने में भी देर नहीं लगाते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के मन में पार्टी के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी रहती है और वह किसी भी स्थिति में पार्टी को नहीं छोड़ते हैं। उन्ही जमीनी कार्यकर्ताओं के बल पर आज भी कांग्रेस पार्टी पूरे देश में टिकी हुई है। राजस्थान में भाजपा की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है। राजस्थान में गुटों में बंटी भाजपा राजनीति के दलदल में फंसी हुई है। यहां हर बड़े नेता का अपना गुट बना हुआ है। हर बड़ा नेता अपने को अगला मुख्यमंत्री मानकर चल रहा है। ऐसे में संगठन के स्तर पर भाजपा की हालत बहुत खराब हो रही है। लगातार सत्ता में रहने के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं में भी चापलूसी हावी होती जा रही है। संगठन में कई ऐसे लोगों को बड़े पदों पर बैठा दिया गया है जो अपने गांव में पंच भी नहीं जीत सकते हैं। आपसी गुटबाजी के चलते ही भाजपा द्वारा प्रदेश में निकाली गई जन आक्रोश यात्राओं को उतना समर्थन नहीं मिल पाया जितना मिलना चाहिए था। पार्टी के ग्रास रूट के कार्यकर्ता अपनी उपेक्षा से क्षुब्ध होकर घर बैठ गए हैं। जोड़-तोड़ कर पद हासिल करने वाले लोगों के पास जनसमर्थन नहीं हैं। इसी कारण पार्टी के कार्यक्रम लगातार फेल हो रहे हैं। अब भाजपा में भी पैसों की राजनीति हावी होने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक संगठन से ईत्तर अलग राह पर चल रहे हैं। जिससे जनता में अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। आम आदमी पार्टी का प्रदेश में अभी कुछ भी प्रभाव नहीं है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी पर जातिवाद का ठप्पा लगा हुआ है। जिसे हटाये बिना पार्टी बड़ा जनाधार नहीं बना सकती है। बहुजन समाज पार्टी कि प्रदेश में विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। हर बार पार्टी के जीते विधायक दलबदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। इससे बसपा को वोट देने वाले वोटर खुद को ठगा महसूस करते हैं। वामपंथी दलों का राजस्थान में आधार समाप्त हो गया है। प्रदेश की आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो विधायक जीते थे। मगर सत्ता सुख के चक्कर में उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनके प्रत्याशियों से सीधे भाजपा उम्मीदवारों को ही लाभ मिलना तय माना जा रहा है। चुनाव आते ही प्रदेश में कुकुरमुत्ता की तरह नेताओं की फौज खड़ी हो जाएगी। हजारों लोग मेरा विधानसभा क्षेत्र मेरा विधानसभा क्षेत्र लिखकर सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाएंगे। मगर चुनाव बीत जाने के बाद पांच साल तक उनका कोई ठिकाना भी नहीं रहता है। प्रदेश की जनता को बिना किसी के प्रलोभन में आए ऐसी सरकार बनानी चाहिए। जो ईमानदारी से आमजन की सेवा कर सके। तभी प्रदेश के आम लोगों का भला हो पाएगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

युवा पीढ़ी में भटकाव अभिभावक अधिक दोषी!

(लेखक - विजय कुमार जैन)

वर्तमान में युवा पीढ़ी संस्कार विहीन हो रही है उनमें तेजी से भटकाव आ रहा है। प्राचीन भारतीय संस्कृति एवम् संस्कारों को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति को अपना रहे है। परिवार माता -पिता को भूलकर प्रेम विवाह अन्तर्जातीय विवाह कर लेते है। युवा पीढ़ी को सत्मार्ग पर लाने सभी धर्मों के धर्मगुरु प्रयास कर रहे हैं। मेरे अभिन्न मित्र श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह परिहार पिछले 6 वर्ष पूर्व एक माह के प्रवास पर अमेरिका धर्मपत्नी श्रीमती मालती परिहार के साथ गये थे। उनका बेटा पियूष परिहार अमेरिका में नौकरी करता है। श्री परिहार जाति से राजपूत है इस अवसर पर मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूँगा उनका पूरा परिवार शाकाहारी है साथ ही शराब का भी सेवन नही करते है। बेटा भी अमेरिका में शाकाहारी है। श्री परिहार के अमेरिका से वापस आने पर मेरी उनसे विस्तार से चर्चा हुई उनका कहना है अमेरिका में प्रसूति के बाद नवजात शिशु को माँ के साथ पलंग पर न रखकर पालने में रखा जाता है। बालक जब 5 वर्ष का हो जाता है तो उसे अलग कमरे में रहना होता है। श्री परिहार ने कहा पाश्चात्य संस्कृति हमारे भारत वर्ष में जोर शोर से प्रवेश कर चुकी है। भारत में भी माँ अपने बेटे बेटी को अपने साथ रात्री विश्राम नही कराते है। बेटे बेटी धीरे धीरे लाड प्यार नही मिलने से अपने माँ-बाप से दूर होते चले जाते हैं। जिनसे प्यार मिलता है चाहे वह प्यार बनावटी ही हो उसे अपना जीवन साथी बना लेते है। हमारे देश में छोटे छोटे नगरों में भी ईसाई मिशनरी स्कूल खुल गये है जो कक्षा नर्सरी से ही बालकों में पाश्चात्य संस्कारों का बीजारोपण कर ईसाई धर्म आराधना का ज्ञान कराते है । इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है हम हमारे मूल संस्कारों और संस्कृति से विमुख हो रहे है। आज के अर्थ प्रधान युग में माँ बाप अपने बच्चों को ममता स्नेह तो दे ही नही रहे है। माँ नवजात शिशु को स्तनपान इस डर से नही करा है नवजात शिशु को स्तनपान कराने से उसके शरीरिक आकर्षण एवं सौंदर्य में कमी आयेगी। नवजात शिशु को डिब्बे का दूध पिलाया जा रहा है। बच्चे बड़े होते है तो उन्हे पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर अलग कमरा दे दिया जाता है। हर बच्चे की अपेक्षा होती है कि उसे अपने माँ बाप का प्यार मिले । पिता अपनी व्यापारिक व्यस्तताओं के कारण बच्चे बच्ची का ध्यान नही रखते है। माता भी नौकरी अथवा सामाजिक संस्थाओं किटी क्लब आदि में समय देती है मगर अपने बच्चों को भगवान भरोसे छोड़ देती है। संत शिरोमणी दिगम्बर जैन आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि प्रमाण सागर जी महाराज ने विगत वर्ष जयपुर में विशाल धर्म सभा में मंगल प्रवचन करते हुए कहा वर्तमान युवा पीढ़ी में भटकाव समाज के लिये गंभीर चिन्ता का विषय है आपका कहना है कि बच्चों को विशेष रूप से लड़कियों को स्नातकोत्तर पढाई श्रश्च्ह्ल दृह्लड्डह्यह्वह्लद्वश्ड्ड कराने से भटकाव ज्यादा आ रहा है। पूज्य मुनिराज ने जैन समाज के बड़े बड़े सम्पन्न बिल्डर्स को आव्हान किया है वे निर्माण का कुछ हिस्सा लड़कियों के छात्रावासों के निर्माण पर व्यय करें। उन छात्रावासों में लौकिक शिक्षा के साथ धार्मिक शिक्षा संस्कार शिक्षा देने की भी उचित व्यवस्था होना आवश्यक है। पूज्य मुनि प्रमाण सागर जी ने बच्चों के अभिभावकों को आव्हान किया है अपने बच्चों को अध्ययन एवम् नौकरी पर विदेश भेजने से पहले उन्हे सन्तों के समक्ष संकल्प दिलाने अवश्य लाये। साथ ही आपने अभिभावकों को यह भी सुझाव दिया कि अपने बच्चों को उच्च अध्ययन अथवा नौकरी के लिए विदेश भेजते हैं तो वहाँ वे धर्म आचरण से विमुख न हों इसलिये उनके साथ जैन ग्रंथ जिनवाणी अवश्य भेजिये। भारत में युवा पीढ़ी में भटकाव एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होने में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण हाथ है सुप्रसिद्ध अंग्रेज दार्शनिक लॉर्ड मेकाले ने 2 फरवरी 1835 को हाउस ऑफ कॉमंस ब्रिटिश संसद में भाषण देते हुए कहा था मेरी दृष्टि में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक भारतीय विरासत जो कि इस देश का मेरुदंड है रीड की हड्डी है इस को खंडित किए बिना हम इस देश पर विजय प्राप्त नहीं कर सकते मैं प्रस्ताव करता हूं कि इस देश की प्राचीन शिक्षण पद्धति उनकी संस्कृति को इस प्रकार परिवर्तित कर दें कि परिणाम स्वरूप भारतीय सोचने लगे कि जो कुछ भी विदेशी एवं आंग्ल हैं वही श्रेष्ठ हैं और महान हैं। इस तरह वे अपना आत्मसम्मान आत्म गौरव तथा अपनी मूल संस्कृति को खो देंगे और वे वही बन जाएंगे जो कि हम चाहते हैं। पूर्ण रूप से हमारे नेतृत्व के अधीन एक देश। सन 1885 में ब्रिटेन के शिक्षा मंत्री ने कहा था भारत में 7 लाख 32 हजार गुरुकुल थे। तब ब्रिटेन में 240 स्कूल थे। इससे स्पष्ट होता है कि उन दिनों भी हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में कितनी बड़ी प्रगति थी। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है लड़के एवं लड़कियों के अलग अलग गुरुकुल थे। सहशिक्षा का प्रावधान नहीं था। अंग्रेजों ने भारत में सहशिक्षा को बढ़ावा दिया। धीरे-धीरे गुरुकुल जिनमें लड़के एवं लड़कियों को अलग-अलग शिक्षा दी जाती थी उनको समाप्त किया और और अंग्रेजी पद्धति के कॉन्वेंट स्कूलों का जाल बिछाया जिनमें सह शिक्षा प्रारंभ की गई। सहशिक्षा ही युवा पीढ़ी में भटकाव का मुख्य कारण है। परम पूज्य गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य राष्ट्रसंत मुनि विहर्ष सागर जी मंगल प्रवचन करते हुए युवा पीढ़ी की दिशा हीनता एवम् भटकाव पर गंभीर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा वर्तमान में माँ बाप को अपने बच्चों से स्नेह एवम् प्यार से बात करने का समय नही है। अपने अभिभावकों से प्यार दुलार नही मिलने से युवा पीढ़ी पथ भृष्ट हो रही है। माँ अपनी बेटी को अपने पास रात्री में नही सुलाती है बेटी रात्री में 11 बजे से 1 बजे के बीच मोबाइल पर अपने मित्र बना रही है। जो उसे प्यार दुलार दे रहे है। जीवन भर साथ देने का वायदा कर रहे है। मुनिराज ने आव्हान किया माँ अपने बच्चों को अपेक्षित ममत्व दे तथा पिता अपने बच्चों को स्नेह आशीर्वाद दें तो युवा पीढ़ी में भटकाव रुक सकता है। मुनि विहर्ष सागर जी महाराज ने कहा हर माँ का दायित्व है जब बेटी की आयु 12 वर्ष हो जाये उसे अपने साथ रात्री में रखना चाहिये। इस कार्य के एक साथ दो लाभ होंगे बेटी की मोबाइल चेटिंग रुकेगी तथा बेटी को भी अहसास होगा माँ के मन में ममत्व जागृत हो गया है। महाराज जी ने माँ के दायित्व को महत्वपूर्ण तथा सजगतापूर्ण बताया है। संत शिरोमणी आचार्य विद्या सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य तीर्थ उद्धारक मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज युवा पीढ़ी को सत्मार्ग पर लाने संस्कार और संस्कृति से जोड़ने निरन्तर प्रयासरत है। आपकी पावन प्रेरणा से सांगानेर जयपुर में 01 सितम्बर 1996 को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान प्रारंभ किया गया है। इस संस्थान की शाखा खनियाधाना जिला शिवपुरी म. प्र. में भी प्रारंभ की गयी है। मुनि पुगंव सुधा सागर जी महाराज की ही प्रेरणा से दादावाडी कोटा राजस्थान में दिगम्बर जैन समाज ने वहुमंजिला भवन अल्प समयावधि में बनाकर जैन बालिका छात्रावास गत जुलाई 15 से प्रारंभ हो गया है। जैन संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से जैन समाज द्वारा जबलपुर रामटेक महाराष्ट्र डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ इंदौर मध्य प्रदेश ललितपुर उत्तर प्रदेश में प्रतिभास्थली बालिका आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास खोले गए हैं आवासीय विद्यालयों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उचित शिक्षा और संस्कारित बनाना है। संत एवम् मुनिराज समाज की युवा पीढ़ी को भटकने पथभ्रष्ट होने से रोकने निरंतर समाज को सजग कर रहे है। समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है युवा पीढ़ी को गलत रास्ते पर जाने से रोकें। (नोट- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

विचार मंथन

नोटिफिकेशन रद्द होने तक जारी रहेगा आंदोलन

(लेखक - सनत जैन)

झारखंड के पारसनाथ स्थित जैन तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर को लेकर पिछले 2 महीने से आंदोलन चल रहा है। हाल ही में जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल से केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने चर्चा की। इस चर्चा के बाद एक पत्र झारखंड सरकार को लिखा गया है। जिसमें 2 अगस्त 2019 को जारी अधिसूचना के संदर्भ में पत्र लिखकर यह कहा गया है कि अधिसूचना के खंड 7.6.1 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। पारसनाथ पर्वत क्षेत्र पर शराब मांस की बिक्री ड्रग्स और नशीले पदार्थों का बिक्री पर रोक नशीले पदार्थों एवं मांस का सेवन तेज संगीत या लाउडस्पीकर बजाने पर रोक लगाए जाने के लिए झारखंड सरकार को पत्र लिखा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह एक निगरानी समिति गठित करे। इसमें जैन समुदाय के 2 सदस्य तथा स्थानीय जनजाति समुदाय से 1 सदस्य को स्थाई सदस्य के रूप में समिति में शामिल किया जाए। इस पत्र मे बाद केंद्र सरकार द्वारा यह कहा गया है कि उन्होंने जैन समाज की बात मान ली है। लेकिन जैन समाज इस पत्र से सहमत नहीं है। जैन समाज ने अधिकांश संगठनों ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। जैन समाज के लोगों का कहना है कि यह एक पत्र है जो केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार को लिखा है। जैन समाज द्वारा जो आंदोलन किया जा रहा था। उसमें तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन की गतिविधियों से मुक्त करने की मांग रखी गई थी। पारसनाथ पहाड़ को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने की मांग की गई थी जो सरकार ने नहीं मानी है। केंद्र एवं राज्य सरकार एक-दूसरे के पाले में गेंद फेंक कर इस आंदोलन को नजरअंदाज कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री द्वारा जो पत्र राज्य सरकार को भेजा है। उसमें केवल मांस मदिरा नशे के सेवन तथा तेज संगीत ना बजेइसके लिए एक निगरानी समिति बनाने की बात कही गई है। इससे जैन धर्म की धार्मिक आस्थायें आगे भी प्रभावित होंगी। तीर्थ क्षेत्र की पवित्रता पर्यटकों के कारण संभव नहीं होगी। माना जा रहा था कि केंद्र सरकार की पहल के बाद 2 अगस्त 2019 को जारी अधिसूचना रद्द की जाएगी। पारसनाथ पहाड़ को तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाएगा। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया। जिससे जैन समाज की नाराजगी और भी बढ़ गई है। पिछले 2 महीने से देश भर के हर क्षेत्र में लगातार आंदोलन हो रहे हैं। 1 जैन मुनि अनशन के दौरान अपनी देह त्याग चुके हैं। 1 दिगंबर जैन मुनि अभी भी अनशन में बैठे हुए हैं। जैन समाज की धार्मिक भावनाओं और धार्मिक क्षेत्र को सुरक्षित रख पाने में केंद्र एवं राज्य सरकार असफल साबित हो रही हैं। जिसके कारण जैन समाज ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। जैन समाज के विभिन्न संप्रदायों के आचार्य मुनि एवं उनके विभिन्न संगठनों द्वारा केंद्र सरकार की कार्रवाई को इस मामले को टालने की कार्रवाई बताया है। झारखंड सरकार की ओर गेंद फेंक कर केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच रही है। इससे जैन समाज की नाराजगी बनी हुई है। देश के विभिन्न हिस्सों से जो समाचार प्राप्त हो रहे हैं उसके अनुसार जैन समाज का यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। यह आंदोलन और तीव्र हो सकता है। जैन समाज एक शांतिप्रिय समाज है। सभी समाजों एवं सभी धर्मों का जैन समाज आदर करता है। जियो और जीने दो की भावना रखते हुए सभी धर्मों के लोगों के साथ जैन समाज के जीवंत संबंध है। जैन समाज की धार्मिक आस्था एवं भावनाओं पर जो आघात केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा पहुंचाया जा रहा है। उसके बाद अल्पसंख्यक समाज के साथ-साथ हिंदू समाज भी हतप्रभ है। केंद्र सरकार ने 2 अगस्त 2019 को जारी अधिसूचना रद्द नहीं की तो इससे लोगों का अविश्वास सरकार के प्रति और बढ़ेगा। जो पत्र लिखा गया है वह हाल ही में किसान आंदोलन के दौरान जो समिति बनाई गई थी उसकी आज तक कोई बैठक नहीं हुई ना कोई निष्कर्ष निकला। इसको लेकर भी जैन समाज एवं अन्य अल्पसंख्यक समाज में अविश्वास देखने को मिल रहा है। शासन को इस मामले का त्वरित निराकरण करना चाहिए। यह धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ बहुत महत्वपूर्ण और संवेदनशील मसला है। यह अकेले जैन समाज का मसला नहीं है। जैन समाज व्यापारिक समाज है 60 फ़ीसदी आबादी के साथ इसका सीधा संपर्क होता है।

जैन समाज यदि नाराज होती है तो इसका असर चुनाव राजनीतिक सामाजिक स्तर पर भी देखने को मिलता है। धार्मिक आस्थाओं के कारण सरकार के प्रति विश्वास से जुड़ा हुआ यह मामला है। अधिसूचना रद्द ना करके मामले को टालने का जो प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है उससे सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ा है।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मृत्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थों का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थों का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थों में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थों से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.72 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया सुबह एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ ही 82.56 पर खुला। इससे पहले गुरुवार को रुपया 82.55 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती की वजह से रूपये की बढ़त सीमित रही। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 105.07 पर आ गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.52 पर खुला फिर कुछ और बढ़त के साथ 82.47 पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की बढ़त दिखाता है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड की आवास ब्रिकी 16 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । रियल्टी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बिक्री बुकिंग गिरवी दरों में वृद्धि के बावजूद आवास की बेहतर मांग से 16 प्रतिशत बढ़कर 3035 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है। जो कि देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। रियल्टी कंपनी ने सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3035 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग प्राप्त की। आलोच्य अवधि में बिक्री बुकिंग 62 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9039 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 5568 करोड़ रुपए था। कंपनी की चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में कुल बिक्री बुकिंग पिछले पूरे वित्त वर्ष के 9024 करोड़ रुपए के आंकड़े को पहले ही पार कर चुकी है। कंपनी ने कहा 'हम पूरे साल के 11500 करोड़ रुपए के बिक्री लक्ष्य को पार करने की राह पर हैं। बिक्री की तुलना में ग्राहकों से पूंजी संग्रह दिसंबर तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़कर 2682 करोड़ रुपए हो गया।

मारुति ने एसयूवी ग्रैंड विटारा के दो सीएनजी संस्करण बाजार में उतारे

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपनी एसयूवी ग्रैंड विटारा के दो सीएनजी संस्करण शुक्रवार को बाजार में उतर दिए हैं। इनकी दिल्ली में शोरूम कीमत 12.85 लाख और 14.84 लाख रुपये है। सीएनजी संस्करण 26.6 किलोमीटर प्रति किलोग्राम की ईंधन दक्षता के साथ पांच-स्पीड मैनुअल गियर के साथ आता है। कार के 1.5 लीटर पेट्रोल वाले संस्करण की कीमत 10.45 लाख रुपये से लेकर 19.49 लाख रुपये तक है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (बिक्री एवं विपणन) शशांक श्रीवास्तव ने कहा एस-सीएनजी विकल्प ने ग्रैंड विटारा की मांग को और बढ़ा दिया है। ग्रैंड विटारा एस-सीएनजी हमारी हरित संस्करण पेशकशों को विस्तृत करने की योजना का समर्थन करेगी। कंपनी ने कहा कि ग्रैंड विटारा एस-सीएनजी को 30723 रुपये से शुरू होने वाले सभी-समावेशी मासिक सदस्यता शुल्क पर 'मारुति सुजुकी सब्सक्राइब' के द्वारा भी खरीदा जा सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452.90 अंक टूटकर 59900.37 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 127.95 अंक नीचे आकर 17864.20 के स्तर पर पहुंच गया। सभी क्षेत्रों में आज गिरावट रहने से बाजार नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए हैं। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.72 फीसदी और 0.69 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इस गिरावट के कारण निवेशकों को करीब 2.17 लाख करोड़ रुपए का झटका लगा है। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इस दौरान कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 279.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह पिछले कारोबारी दिन 281.95 लाख करोड़ रुपए पर था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में करीब 2.17 लाख करोड़ रुपए की बड़ी गिरावट आई है। सेंसेक्स के 30 में से केवल 5 शेयर ही आज बढ़त पर बंद हुए हैं। इस दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक 1.07 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) नेस्ले इंडिया आईटीसी और लर्सन एंड टुब्रो के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही और ये करीब 0.23 फीसदी से लेकर 1.01 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के कुल 25 शेयर आज गिरावट पर बंद हुए हैं। इसमें भी टीसीएस में 3.03 फीसदी की सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा बजाज फिनसर्व इंडसइंड बैंक टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस में भी 2.76 फीसदी से लेकर 1.88 फीसदी तक की गिरावट आई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुल पर इसके बाद निवेशकों की बिकवाली से बाजार नीचे आने लगा। यह सिलसिला इसके बाद दिन भर जारी रहा।

बजट बनाने की तैयारी में जुटा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

शुक्रवार से सिर्फ तीन हफ्ते बाद यानि 1 फरवरी 2023 को लोकसभा में आम बजट पेश होने जा रहा हैं इस लेकर अब बहुत तेजी के साथ तैयारियां शुरू हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान काफी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इन आंकड़ों का उपयोग अगले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार के बजट को तैयार करने के लिए किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के अनुमान को पहले के 7 फीसदी से घटाकर 6.8 फीसदी कर दिया था। ऐसा वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों के मद्देनजर किया था। आरबीआई ने 2022-23 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। मालूम हो कि चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को दिसंबर 2022 में तीसरी बार संशोधित किया गया हैं।

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन लाने की तैयारी में स्कोडा स्थानीय उत्पादन पर भी विचार

मुंबई । वैश्विक कंपनी स्कोडा को भारतीय बाजार में तेज वृद्धि की उम्मीद है जो 2022 में कंपनी के लिए शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में से एक बना है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी योजना भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन लाने की है। इसके अलावा भविष्य में स्थानीय उत्पादन पर भी विचार होगा। स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 में 57721 इकाइयां बेचीं जो 2021 में बिके 23858 वाहनों से दोगुना से अधिक है। कंपनी इस वर्ष भारत में दहाई अंक की वृद्धि की उम्मीद लगाए हुए है। स्कोडा ऑटो इंडिया के अधिकारी ने कहा कि कंपनी की योजना स्कोडा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी एनयाक आईवी को पूरी तरह से विनिर्मित इकाई के रूप में अगले वित्त वर्ष में यहां पेश करने की है। 2023 के लिए कंपनी अधिक उत्पादों के साथ तेज वृद्धि की दिशा में बढ़ेगी और आगे का रास्ता बीते वर्ष की सफलता से आगे बढ़ने का होगा। उन्होंने कहा स्कोडा ऑटो के लिए भारत वैश्विक स्तर पर तीन शीर्ष बाजारों में से एक है। यूरोप से बाहर यह कंपनी के लिए सबसे बड़ा बाजार है। कंपनी के लिए अन्य शीर्ष बाजार जर्मनी और चेक गणराज्य हैं।

इस वर्ष एप्पल एआर हेडसेट्स की बड़े पैमाने पर शिपमेंट में और देरी होगी

सैन फ्रांसिस्को।(एजेंसी)

टेक दिग्गज एप्पल की आगामी ऑगमेंटिड रियलिटी (एआर) मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) हेडसेट की मास शिपमेंट इस वर्ष दूसरी तिमाही या तीसरी तिमाही के अंत तक देरी हो जाएगी।विश्लेषक मिंग-ची कूओ के अनुसार, देरी का कारण हेडसेट का विकास मैकेनिकल कम्पोनेंट ड्रॉप परीक्षण और सॉफ्टवेयर विकास उपकरणों की उपलब्धता के मुद्दों के कारण है। नतीजतन, यह संभावना नहीं है कि तकनीकी दिग्गज इस महीने अपने नए हेडसेट के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। कुओ ने शुक्रवार को ट्वीट किया, इस बिंदु पर, यह अधिक संभावना प्रतीत होती है कि एप्पल वर्तमान विकास प्रगति के आधार पर स्प्रिंग मीडिया इवेंट या वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) में एआर/एमआर हेडसेट की घोषणा करेगा। इस बीच, बुधवार को उन्होंने कहा था, मेरा लेटेस्ट सर्वेक्षण इंगित करता है कि सॉफ्टवेयर से संबंधित मुद्दों (बनाम 2023 की दूसरी तिमाही के पिछले अनुमान) के कारण एप्पल के एमआर हेडसेट के मास शिपमेंट शेड्यूल में 2023 की दूसरी छमाही तक देरी हो सकती है। पिछले साल नवंबर में, यह बताया गया था कि आईफोन निर्माता इस साल मार्च में अपने एमआर हेडसेट्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने की योजना बना रहा है। प्रारंभिक उत्पादन उच्च मूल्य टैग के साथ बहुत सीमित होने की अफवाह थी, जो मुख्य रूप से कमर्शियल ग्राहकों के लिए टेक दिग्गज के पहले हेडसेट को प्रतिबंधित कर देगा।

वियर ओएस पर गूगल मैप्स का नेविगेशन फीचर अब फोन के बिना भी करेगा काम

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज गूगल ने घोषणा की है कि वियर ओएस के लिए उसका वेब मैपिंग प्लेटफॉर्म, गूगल मैप्स अब फोन की जरूरत के बिना लॉन्ग-टर्म एवोल्यूशन (एलटीई) वॉचिस पर बारी-बारी से नेविगेशन फीचर को सपोर्ट करेगा।टेक दिग्गज ने एक सपोर्ट पेज में कहा कि यदि उपयोगकर्ताओं के पास एलटीई-इनेबल्ड वॉच है, या उनकी वॉच वाईफाई के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ी हुई है, तो वे अब अपनी कलाई पर मैप्स का आनंद ले सकते हैं। जब उपयोगकर्ता अपने फोन पर स्थान की अनुमति देते हैं, तो उनका फोन लॉक होने पर भी नेविगेशन उनकी वॉच पर कार्य करेगा। कंपनी ने कहा, यह विशेष रूप से तब मददगार होता है जब आप दौड़ने या राइडिंग के लिए बाहर होते हैं और अपना फोन पीछे छोड़ देते हैं लेकिन एक चक्कर लगाना चाहते हैं जब घर का रास्ता खोजने में मदद की जरूरत होती है। इस बीच, पिछले साल अगस्त में टेक दिग्गज ने घोषणा की थी कि वेयर ओएस के लिए गूगल मैप्स एप्लिकेशन को ऑफलाइन नेविगेशन के लिए सपोर्ट मिलेगा।

डिजिटल करेंसी के मामले में फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहा आरबीआई : दास

नई दिल्ली । (एजेंसी)

आरबीआई ने हाल में अपनी डिजिटल करेंसी लांच की थी। केंद्रीय बैंक का कहना है कि वह डिजिटल रुपये पर बहुत सावधानी के साथ आगे बढ़ रहा है ताकि इसकी क्लोनिंग से बचा सके। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) ट्रायल फेज में है। आरबीआई डिजिटल रुपये की पेशकश को लेकर बहुत ही सतर्कता से आगे बढ़ रहा है। इसकारण यह है कि अगर इसके साथ क्लोनिंग या इस तरह की कुछ ऊंच-नीच हुई तब यह बेहद रिस्की हो सकता है। उन्होंने कहा कि रुपये में सीमा-पार व्यापार के लिए केंद्र और आरबीआई की दक्षिण एशियाई देशों से बात चल रही है। होलसेल डिजिटल रुपये के लिए आरबीआई की सीबीडीसी की पायलट परियोजना पिछले साल एक नवंबर को की गई थी। इसकी सफलता के बाद एक दिसंबर को केंद्रीय बैंक ने रिटेल सीबीडीसी की पायलट परियोजना शुरू की थी। दास ने कहा कि 2022-23 के लिए वैश्विक व्यापार दृष्टिकोण के साथ दक्षिण एशियाई क्षेत्र में व्यापक अंतर-क्षेत्रीय व्यापार से ग्रोथ और रोजगार के अवसर बढ़ने वाले हैं। दास ने कहा कि सीमा पार व्यापार में रुपये को बढ़ावा देना और सीबीडीसी जिसकी दिशा में आरबीआई ने पहले ही आगे बढ़ना शुरू कर दिया है इन क्षेत्रों में भी सहयोग को और बढ़ाया जा सकता है।

दास ने कहा कि अनेक बाहरी झटकों से दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर मूल्य दबाव आया है। महंगाई को सफलतापूर्वक कम करने के लिए विश्वसनीय मौद्रिक नीति कार्रवाई लक्षित आपूर्ति-पक्ष हस्तक्षेप राजकोषीय व्यापार नीति और प्रशासनिक उपाय प्रमुख साधन बन गए हैं। दास ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देना सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है।

सोने में गिरावट चांदी में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतें गिरीं हैं जबकि चांदी महंगी हुई है। आज सोना 55587 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। वहीं यह सुबह 55584 रुपये प्रति ग्राम था। इस प्रकार सोने में 3 रुपये की तेजी दर्ज हुई है। वहीं सोना गत कारोबारी सत्र में 55796 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। इस प्रकार पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में सोना 209 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट के साथ बंद हुआ है। इसके अलावा आज चांदी की कीमतें 67888 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रहीं। वहीं सुबह यह 67591 प्रति किलो के स्तर पर खुली थी। इस प्रकार चांदी के दाम में आज 297 रुपये की तेजी आई। वहीं यह दाम पिछले कारोबारी दिवस पर 67678 रुपये प्रति किलो था। इस प्रकार चांदी के दाम में 210 रुपये प्रति किलो की तेजी दर्ज की गई।

भारत का डिजिटल पब्लिक गुड्स इंफ्रास्ट्रक्चर को अभूतपूर्व : नडेला

जी20 में भारत का नेतृत्व उसके लिए एक महान क्षण

नई दिल्ली। दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के भारतीय मूल के सीईओ सत्या नडेला चार दिन की यात्रा पर भारत आए हुए हैं। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति की तारीफ करते हुए कहा कि देश में हर छोटी-बड़ी कंपनी डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। नडेला ने कहा भारत में स्टार्टअप और यूनिकॉर्न ही नहीं बल्कि छोटी कंपनियां सरकारी कंपनियां और मल्टीनेशनल कंपनियां भी तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल कर रही हैं। इस तरह वे अपने यूजर्स और कस्टमर्स के लिए डिजिटल का इस्तेमाल बढ़ा रही हैं। नडेला ने कहा कि आधार और यूपीआई जैसी योजनाओं ने लोगों की जिंदगी आसान बना दी है। माइक्रोसॉफ्ट भारत में बड़ा दांव खेलने की तैयारी कर रही है। बता दें कि एपल और सऊदी अरामको के बाद माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसकी मार्केट वैल्यू 1.79 ट्रिलियन डॉलर है। नडेला ने भारत के डिजिटल पब्लिक गुड्स इंफ्रास्ट्रक्चर को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं और ऐसा कुछ नहीं दिखाई दिया है। नडेला नेशनल हेल्थ स्टैक जैसे कार्यों में आधार यूपीआई ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) और अन्य जैसे प्लेटफॉर्म का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहे हैं वहीं नागरिकों के लिए लेनदेन की लागत कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत का क्षण है। यह एक ऐसी कहानी है जिसके बारे में लिखा जाना चाहिए जिसके बारे में बात की जाए ताकि दुनिया में हर कोई इससे लाभान्वित हो सके। जी20 में भारत का नेतृत्व उसके लिए एक महान क्षण है। इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी के साथ अपनी बातचीत में नडेला ने सवाल पूछा कि भारत सार्वजनिक वस्तुओं को वितरित करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल कहां कर रहा है।

अमेरिका में तेज ईवी चार्जर इंस्टॉल करने के लिए मर्सिडीज-बेंज एमएन8 व चार्जपॉइंट के बीच करार

सैन फ्रांसिस्को । (एजेंसी)

लक्जरी जर्मन ऑटोमेकर मर्सिडीज-बेंज अक्षय ऊर्जा कंपनी एमएन8 और इलेक्ट्रिक वाहन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी चार्जपॉइंट ने अमेरिका में 400 फास्ट इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग हब इंस्टॉल करने के लिए साझेदारी की है। प्रोजेक्ट का उद्देश्य ईवी सेल्स को बढ़ावा देना और देश के संघर्षरत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। अपेक्षित 1 अरब डॉलर की परियोजना लागत मर्सिडीज और एमएन8 के बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी। इस साल से कंपनियां सैकड़ों नए हब बनाना शुरू कर देंगी जिसमें 2500 से ज्यादा डायरेक्ट करंट (डीसी) फास्ट-चार्जिंग प्लग शामिल होंगे। मर्सिडीज-बेंज के सीईओ ओला कलेनियस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा यह हमारे लिए एक रणनीतिक फैसला है कि हम वास्तव में अपना पैसा वहीं लगाएं जहां हमारा गढ़ है। कलेनियस ने कहा और उस दिशा का समर्थन करें जिसे हम पिछले कुछ वर्षों से ले रहे हैं बिजली की ओर रुख कर रहे हैं और कंपनी को इस दशक के अंत तक ऐसी स्थिति में ला रहे हैं जिससे हम पूरी तरह से इलेक्ट्रिक लाइनअप के साथ बाजारों की सेवा करने में सक्षम हो सकें। कंपनी के अनुसार मर्सिडीज-चार्जपॉइंट ईवी चार्जिंग हब प्रमुख शहरों और शहरी आबादी केंद्रों में प्रमुख राजमार्ग गलियारों के साथ और सुविधाजनक खुदरा और सेवा स्थलों के करीब स्थित होंगे।

पंजाब सरकार सभी सरकारी इमारतों में लगाएगी सोलर पैनल

चंडीगढ़। (एजेंसी)

सभी सरकारी इमारतों को सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) पैनलों से लैस करने के लिए पंजाब के नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री अमन अरोड़ा ने शुक्रवार को सभी विभागों के प्रमुखों को एनओसी जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया, ताकि पैनल जल्द से जल्द स्थापित किए जा सके।वर्चुअल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अरोड़ा ने अधिकारियों को अपने विभागों के वरिष्ठ अधिकारी को पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पीईडीए) के साथ समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा, ताकि विभागों के इमारतों को सोलराइज करने की प्रक्रिया को सुचारू रुप से आगे बढ़ाया जा सके।

मंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के लोगों को शुद्ध पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह कदम बिजली क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने के लिए एक रास्ता तय करेगा, क्योंकि सौर पीवी इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले लाभों के कारण अक्षय ऊर्जा का सबसे पसंदीदा स्रोत बन गया है। अरोड़ा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को रिन्यूएबल एनर्जी सर्विसेज कंपनी (आरईएससीओ) मोड के तहत क्रियान्वित किया जाएगा और पीईडीए ने पहले ही विभिन्न सरकारी इमारतों की छतों पर 88 मेगावाट की कुल क्षमता के सौर पीवी स्थापित कर दिए हैं। ये सफलतापूर्वक स्वच्छ और हरित ऊर्जा पैदा कर रहे हैं। यह परियोजना संबंधित विभागों के बिजली बिलों के वित्तीय बोझ को लगभग 40 से 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों से बचाई गई राशि को जनकल्याण पर खर्च किया जाएगा।

फिटनेस फर्म पेलोटन अपने ट्रेडमिल में सेफ्ट डिटेक्ट छिपाने के लिए 19 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरेगी

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

अमेरिकी व्यायाम और फिटनेस उपकरण कंपनी पेलोटन जानबूझकर अपने ट्रेडमिल के साथ सुरक्षा मुद्दों की रिपोर्ट करने में विफल रहने के लिए जिसके परिणामस्वरूप एक बच्चे की मौत हो गई थी, 19 मिलियन डॉलर से अधिक का जुर्माना भरेगी।यूएस कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन (सीपीएससी) ने एक बयान में कहा कि समझौता अपने आरोपों को हल करता है कि पेलोटन जानबूझकर आयोग को तुरंत रिपोर्ट करने में विफल रहा, जैसा कि कानून द्वारा आवश्यक है कि इसके ट्रेड प्लस ट्रेडमिल में एक कमी है जो प्रोडक्ट के लिए एक बड़ा खतरा पैदा कर सकता है और उपभोक्ताओं को गंभीर चोट का एक अनुचित जोखिम पैदा कर सकता है। पेलोटन ने 2021 में अपने दोनों ट्रेडमिल- ट्रेड और ट्रेड प्लस को वापस बुला लिया। जबकि ट्रेड में एक लड़खड़ाती स्क्रीन थी, प्रीमियम ट्रेड प्लस के कारण चोटों की कई रिपोर्टें आईं और एक उदाहरण में, एक बच्चे की मौत हो गई। आयोग ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी ने जानबूझकर वाणिज्य में 38 ट्रेड से अधिक रिकॉल किए गए ट्रेडमिलों को पेलोटन कर्मियों का उपयोग करके और तीसरे पक्ष की डिलीवरी फर्मों के माध्यम से वितरित किया। दिसंबर 2018 से शुरू होकर 2019 तक जारी, पेलोटन को चोटों की रिपोर्ट सहित ट्रेडमिल के पीछे खींचने और फंसने से जुड़ी घटनाओं की रिपोर्ट मिली। आयोग ने कहा, यह जानकारी होने के बावजूद, पेलोटन ने तुरंत आयोग को रिपोर्ट नहीं किया।

जब तक पेलोटन ने आयोग के साथ एक रिपोर्ट दर्ज की, तब तक लोगों, पालतू जानवरों और/या वस्तुओं को ट्रेड प्लस ट्रेडमिल के पीछे खींचे जाने की 150 से अधिक रिपोर्टें थीं, जिसमें एक बच्चे की मौत और 13 चोटें शामिल हैं, जिनमें टूटी हुई हड्डियाँ, घाव, खरोंच और घर्षण जलन शामिल हैं। पेलोटन ने पिछले साल अगस्त में लगभग 780 कर्मचारियों को निकाल दिया था, कई स्टोर बंद कर दिए थे और बाइक और ट्रेडमिल पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

एडिलेड इंटरनेशनल 1: खाचानोव को हराकर मेदवेदेव सेमीफाइनल में

एडिलेड । दानिल मेदवेदेव ने 2023 सत्र में प्रभावशाली शुरूआत करते हुए विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी कारेन खाचानोव को शुक्रवार को लगातार सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर एडिलेड इंटरनेशनल 1 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मेदवेदेव का सेमीफाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच या सातवीं सीड डेनिस शापोवालोव से मुकाबला होगा। मेदवेदेव ने पहले सेट में 2-3 से पिछड़ने के बाद लगातार चार गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम किया। उन्होंने दूसरे सेट में शुरूआत में सर्विस गंवाने के बावजूद लगातार पांच गेम जीते और 78 मिनट में मुकाबला जीत लिया। मेदवेदेव का सेमीफाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच या सातवीं सीड डेनिस शापोवालोव से मुकाबला होगा।

राजकोट में आज सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी भारतीय और श्रीलंकाई टीम

राजकोट ।

टीम इंडिया और श्रीलंका के बीच यहां शनिवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है। इस मैच से सीरीज का भी फैसला होगा क्योंकि अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। भारतीय टीम से पहला मैच हारने के बाद दूसरे मैच में मेहमान श्रीलंकाई टीम ने जीत से वापसी की है जिससे उसके हौंसले भी बुलंद होंगे। श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने अब काफी अच्छी बल्लेबाजी की है और भारतीय गेंदबाजों को जीत के लिए उनपर अंकुश लगाना होगा। भारतीय टीम को सीरीज जीतनी है तो उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। तेज गेंदबाजों के साथ ही शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को पिछले मैच की हार से उबकर जिम्मेदारी से खेलना होगा। दूसरे मैच में भारतीय टीम की हार का कारण युवा तेज गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन भी रहा हालांक इस दौरान उन्हें सीखने को भी मिला है। उमरान मलिक और शिवम मावी पर जमकर रन बने जबकि चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने वाले मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी असफल रहे। अर्शदीप अपने पर नियंत्रण नहीं रख पाये और उन्होंने पांच नो-बाल फेंक दीं। इसके अलावा मावी और अर्शदीप ने भी नो-बाल फैंकीं। इसके अलावा स्पिनर भी प्रभावित नहीं कर पाये। इस बार मुकाबला राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में होने जा रहा है। इस मैदान पर बल्लेबाजों को सहायता मिलती है। ऐसे में गेंदबाजों की राह यहां आसान नहीं रहेगी। टॉस की भी भूमिका अहम रहेगी और जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो टीम इंडिया का पलड़ा यहां भारी है। अभी तक यहां हुए 4 टी20 मैच में से तीन बार भारतीय टीम जीती है और उसे केवल एक बार ही हार का सामना करना पड़ा है। जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमें 2 मैच जीत पाई है तो वहीं पहले फील्डिंग करने वाली टीम भी 2 बार जीत पाई है। कुल मिलाकर देखा जाये तो मामला बराबरी पर है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को मैच जीतने के लिए 180 से अधिक रन बनाने होंगे। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज इस सीरीज में अब तक विफल रहे हैं। शुभमन गिल दोनो ही मैचों में रन नहीं बना पाये और राहुल त्रिपाठी भी अपने डब्यू मैच में नाकाम रहे। दूसरे टी20 में केवल अक्षर पटेल और सूर्यकुमार यादव ने ही अच्छी बल्लेबाजी की।

यूनाइटेड कप: पेगुला की स्वीयाटेक पर सनसनीखेज जीत

सिडनी,

जेसिका पेगुला ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वीयाटेक पर 6-2, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए अमेरिका को पोलैंड के खिलाफ शुक्रवार को 1-0 से बढ़त दिला दी। पेगुला ने मैच में पांच बार स्वीयाटेक की सर्विस तोड़ी और अपनी सर्विस मात्र एक बार गंवाते हुए तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वीयाटेक के खिलाफ 2019 के बाद से पहली जीत दर्ज की। पेगुला ने बेसलाइन से बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और पहले सेट में 4-1 की बढ़त बनाने के बाद फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पेगुला ने मैच में पांच बार स्वीयाटेक की सर्विस तोड़ी और अपनी सर्विस मात्र एक बार गंवाते हुए तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वीयाटेक के खिलाफ 2019 के बाद से पहली जीत दर्ज की।

चैम्पियन की पहचान दवाब वाले हालातों में होती है : मैरीकोम

कोलकाता । अनुभवी महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकोम ने कहा है कि किसी भी पेशे में सफ होने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी होता है। इस पांच बार की विश्व विजेता मुक्केबाज के अनुसार खेल हो या चिकित्सा विज्ञान किसी भी पेशे में चैम्पियन की पहचान दबाव वाली स्थिति का किस प्रकार से वे सामना करते हैं उसमें नजर आती है। मैरीकोम ने ये बातें चिकित्सा से जुड़े एक कार्यक्रम में कहीं। मैरीकोम ने कहा कि डॉक्टरों और खिलाडियों की अलग-अलग भूमिकाएं गतिविधियां और जिम्मेदारियां हो सकती हैं पर बलिदान दोनों के लिए समान हैं। आप 24 घंटे बलिदान करते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि जिस प्रकर सर्जरी सफल नहीं होने पर डॉक्टर बहुत निराश हो जाते हैं और उन्हें तनाव होने लगता है। वैसे ही हाल हमारा तब होता हे जब हम मैच नहीं जीत पाते। हमारे लिए हार स्वीकार करना बेहद कठिन होता है इस कारण हमें भी कठिन मानसिक हालातों से गुजरना पड़ता है।

दोहा में होगी लीजेंड्स लीग मास्टर्स, गेल-गंभीर और अख्तर जैसे दिग्गज लेंगे हिस्सा

दोहा ।

कतर क्रिकेट संघ 27 फरवरी 2023 से 8 मार्च 2023 तक दोहा कतर में लीजेंड्स लीग मास्टर्स के अंतरराष्ट्रीय संस्करण की मेजबानी करेगा। दुनिया भर के शीर्ष दिग्गज क्रिकेटर मेगा इवेंट में हिस्सा लेंगे। कतर द्वारा दुनिया के अब तक के सर्वश्रेष्ठ फीफा फाइनल की मेजबानी करने के बाद कतर क्रिकेट कतर के सभी क्रिकेट प्रशंसकों और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए समान माहौल बनाने की कोशिश करेगा। इस सीजन में एशियन टाउन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 8 मैच खेले जाएंगे। एलएलसी मास्टर्स लीजेंड्स लीग क्रिकेट की ओर से एक अंतरराष्ट्रीय लीग है जिसमें 3 टीमें शामिल हैं, जिनके नाम इंडिया महाराजा, एशिया लायंस और वर्ल्ड जायंट्स हैं। लीग में गौतम गंभीर, इरफान पठान, शाहिद अफरीदी, शोएब अख्तर, ब्रेट ली, शेन वॉटसन, क्रिस गेल और लेंडल सिमंस जैसे क्रिकेट के कुछ बड़े दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। कतर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शेख अब्दुलअजीज बिन सऊद अल थानी ने कहा कि कतर क्रिकेट एसोसिएशन में हम लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन की मेजबानी करने को लेकर उत्साहित महसूस कर रहे हैं। हम हमेशा खेलों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हैं और कतर को खेलों के अनुकूल गंतव्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। फुटबॉल में फीफा विश्व कप के बाद लीजेंड्स लीग हमारी पसंदीदा थी। लीग में खेलने वाले दिग्गजों के साथ यह एक शानदार टूर्नामेंट होने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

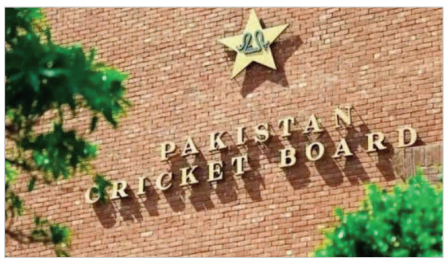

पीसीबी ने एसीसी कैलेंडर की एकतरफा घोषणा पर नाराजगी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख नजम सेठी ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के दो साल के कैलेंडर की एकतरफा घोषणा करने पर नाराजगी व्यक्त की है। इस कारण यह है कि एसीसी प्रमुख जय शाह बीसीसीआई सचिव भी हैं। शाह ने गत दिवस एसीसी अध्यक्ष के रूप में अपने ट्विटर हैंडल पर 2023 और 2024 कार्यक्रम की घोषणा की। इसमें एशिया कप को सितंबर में रखा गया है हालांकि इसके विस्तृत कार्यक्रम और मेजबान देश की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। सेठी इसलिए भड़के हुए हैं क्योंकि पाक इस साल एशिया कप का मेजबान है पर बीसीसीआई ने वहां टीम भेजने से इंकार करते हुए किसी तटस्थ देश में इस टूर्नामेंट का आयोजन कराने को कहा है। सेठी ने कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया 'एसीसी पांच और कैलेंडर 2023-24 को एकतरफा रूप से पेश करने के लिए धन्यवाद जय शाह विशेष रूप से एशिया कप 2023 से संबंधित जिस प्रतियोगिता का मेजबान पाक है। जब आप इससे जुड़े हैं तो आप हमारे पीएसएल 2023 के ढांचे और कैलेंडर को भी प्रस्तुत कर सकते हैं।' गौरतलब है कि एशिया कप 2023 छह टीमों के बीच खेला जाएगा जिसमें भारत पाकिस्तान श्रीलंका बांग्लादेश अफगानिस्तान और एक क्वालीफायर टीम होगी। भारत इस साल के अंत में एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करेगा और इसी को ध्यान में रखते हुए एशिया कप को उसी प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। वहीं अटकलें हैं कि भारत-पाके के बीच तनाव को देखते हुए भारत इस टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करना चाहता है पर पीसीबी का तर्क है कि अगर ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड और न्यूजीलैंड सुरक्षा के डर के बिना आकर खेल सकते हैं तो वे एक तटस्थ देश में टूर्नामेंट की मेजबानी क्यों करेंगे।

गावस्कर पठान ने अर्शदीप को नो बॉल से बचने कहा

पुणे । टीम इंडिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह यहां पुणे के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में विफल रहे। यहां प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अर्शदीप बेहतर प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा हुआ नहीं। अर्शदीप की गेंदबाजी में अभ्यास की कमी नजर आयी और उन्होंने दो ओवरों में ही 37 रन लुटा दिये। इस दौरान उन्होंने तीन नो बॉल भी फेंकी। अर्शदीप की इस गेंदबाजी पर प्रशंसकों ने सोशल मीडिया में नाराजगी व्यक्त की है। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी उन्हें इससे बचने को कहा है। पठान ने ट्वीट किया कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। अर्शदीप डेथ ओवरों में अपनी शानदार गेंदबबाजी के लिए जाने जाते हैं पर वह इस मैच में लय में नहीं दिखे। वहीं पूर्व कप्तान गावस्कर ने भी अर्शदीप के प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नो बॉल गेंदबाज के नियंत्रण में रहती है। गावस्कर ने कहा बतौर पेशेवर आप ऐसा नहीं कर सकते। हम अक्सर सुनते हैं कि आज खिलाड़ी कहते हैं कि चीजें हमारे बस में नहीं है लेकिन नो बॉल न फेंकना हमारे बस में है। आपके गेंद डालने के बाद क्या होता है बल्लेबाज क्या करता है यह दूसरी बात है. पर नो बॉल न डालना बिल्कुल आपके बस में हैं।

सिडनी मैदान में अपनी मूर्ति देखकर उत्साहित है बेलिंडा

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी क्रिकेट मैदान पर महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क की मूर्ति लगायी गयी है। यह पहली बार है जब इस मैदान में किसी महिला खिलाड़ी की मूर्ति लगी है। बेलिंडा हॉल ऑफ फेम से सम्मानित क्रिकेटर हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले इस क्रिकेटर की कांस्य मूर्ति का अनावरण हुआ। इस दौरान वहां क्लार्क भी थीं। इस समारोह में बेलिंडा की साथी क्रिकेटरों के साथ ही कई वर्तमान क्रिकेटर भी उपस्थित थीं। इस महिला क्रिकेटर के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे पहले दोहरा शतक लगाने का रिकार्ड है। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर भी इस मामले में उनसे पीछे हैं। बेलिंडा ने साल 1997 में डेनमार्क के खिलाफ यह रिकार्ड बनाया था। वहीं सचिन ने साल 2010 में एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया था। बेलिंडा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से बातचीत में कहा मैं अपनी प्रतिमा लगाए जाने से उत्साहित हूं। इसे जब लोग देखेंगे तो मुझे याद करेंगे और लोग जानेंगे कि मैं कौन हूं और मेरे यहां की सफर की कहानी क्या है। उन्हें मेरे यहां तक के सफर में आई चुनौतियों और संघर्षों के बारे में पता चलेगा और वह प्रेरित होंगे कि कैसे चुनौतियों और रास्ते में आई बाधाओं और परंपरा को तोड़ते हुए अपने लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मैं चाहती हूं कि लोग अपने आस-पास के अच्छे लोगों से सीखें कि कैसे अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। मैं खेल को लेकर मिले इस सम्मान से खुश हूं। बेलिंडा ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की ओर से एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

राहुल अपने शानदार कैच के कारण सोशल मीडिया में छाये

पुणे । युवा बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी श्रीलंका के खिलाफ यहां अपने डेब्यू मैच में बल्लेबाजी में तो रन नहीं बना पाये और केवल पांच रन ही बना पाये पर इसके बाद भी एक शानदार कैच पकड़ने के कारण वह सोशल मीडिया में छाये रहे। त्रिपाठी ने सीमारेखा के पास एक शानदार कैच पकड़ा। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की ओर से 12वां ओवर ऑलराउंडर खिलाड़ी अक्षर पटेल ने किया। उनके इस ओवर की तीसरी गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज निसांका ने मिड विकेट पर जोरदार शॉट खेला पर सीमारेखा के पास क्षेत्ररक्षण कर रहे राहुल ने एक लंबी दौड़ लगाते हुए एक असंभव से कैच को पकड़ लिया जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। इस दौरान उन्होंने खुशी में दोनों हाथ उपर करके कैच का जश्न मनाया पर मैदानी अंपायर को लगा कि वह छक्के का संकेत दे रहे हैं। इससे संशय में आये मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर से सलाह ली जिसके बाद निसांका को आउट करार दिया।

युवाओं पर भरोसा बनाये रखें : द्रविड़

पुणे ।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की हार के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि इसके लिए युवा खिलाड़ियों को दोष देना ठीक नहीं रहेगा। द्रविड़ ने सभी से धैर्य रखते हुए युवाओं पर अपना भरोसा बनाये रखने को कहा है। दूसरे टी20 में अर्शदीप सिंह सहित टीम के अन्य गेंदबाजी विफल रहे थे। इस दौरान गेंदबाजों ने नो-बाल भी अधिक फेंकी थीं। यहां तक कि पांच नो-बोल फेंकने के लिए अर्शदीप की आलोचना भी हुई थी। द्रविड़ ने कहा कि हार के लिए किसी भी प्रकार से युवा खिलाड़ियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमें ऐसे बहुत से युवाओं के साथ धैर्य रखने की जरूरत है। इस टीम में बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं खासकर हमारा गेंदबाजी आक्रमण। वे छोटे हैं उनके पास इस तरह के खेल होंगे। हम सभी को उनके साथ धैर्य रखने की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा हमें यह समझने की जरूरत है कि इस तरह के खेल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों में सुधार हो रहा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक कठिन प्रतियोगिता है और उनके लिए सीखने का एक बड़ा अनुभव है। इसलिए उनके पास इस तरह के ऑफ-डे होने की संभावना है और उन्होंने सभी को संयमित रहने और धैर्य दिखाने की सलाह दी। निश्चित रूप से वे सुधार कर रहे हैं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उनकी मदद करने और उन्हें समर्थन देने की जरूरत है। तकनीकी रूप से समर्थन के मामले में हम जो कुछ भी कर सकते हैं और सही वातावरण बना सकते हैं और उनके कौशल का सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकते हैं।

एलिस कैप्सी इंग्लैंड की महिला टी20 विश्व कप टीम में

नई दिल्ली

युवा आलराउंडर एलिस कैप्सी को महिला टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। महिला टी20 विश्व कप 10 से 26 फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में होना है। कैप्सी को दिसम्बर 2022 में वेस्ट इंडीज दौरे पर कॉलरबोन में चोट लग गयी थी। प्रमुख कोच जान लुइस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें उम्मीद है कि एलिस फिट हैं। उन्होंने इस स्थिति तक पहुंचने के लिए मेडिकल स्टाफ के साथ कड़ी मेहनत की है। तेज गेंदबाजी आलराउंडर केट क्रॉस, जिन्होंने अपना आखिरी टी20 वर्ष 2019 में खेला था, उस टीम में एकमात्र अन्य अतिरिक्त खिलाड़ी हैं जिसने वेस्ट इंडीज में सभी पांच टी20 जीते थे। लुइस ने कहा, विश्व कप टीम घोषित करना हमेशा रोमांचक होता है। इस टीम में काफी प्रतिभा है और यह देखना है कि विश्व कप में यह चुनौती का भार कैसे उठाती है। इंग्लैंड ने 2009 में पहला महिला टी20 विश्व कप जीता था। इंग्लैंड आधिकारिक आईसीसी अभ्यास मैचों से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन अभ्यास मैच खेलेगा। विश्व कप में इंग्लैंड को भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड और वेस्ट इंडीज के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। लुइस ने कहा, विश्व कप टीम घोषित करना हमेशा रोमांचक होता है। इस टीम में काफी प्रतिभा है और यह देखना है कि विश्व कप में यह चुनौती का भार कैसे उठाती है।

लंदन मे प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए चैलेसा और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी।

उठो जवान देश की वसुंधरा पुकारती, ये देश है पुकारता, पुकारती माँ भारती : मुख्यमंत्री

राष्ट्रहित की हर पहल में एबीवीपी आगे होती है : भूपेंद्र पटेल

भावनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) राष्ट्र निर्माण चरित्र निर्माण राष्ट्रहित तथा समाज सेवा सहित अनेक पहलों को एक छत्र तले समाविष्ट करके चलने वाला संगठन है। उन्होंने कहा है कि युवाओं को राष्ट्रहित के लिए दृढ़ बनाने में एबीवीपी की भूमि अति महत्वपूर्ण है। इस संगठन ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मार्ग अपनाया है। स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों के बलिदान की बातें भी एबीवीपी ने लोगों तक पहुँचाई है। पटेल शुक्रवार को भावनगर में आयोजित एबीवीपी-गुजरात प्रदेश के 54वें अधिवेशन का शुभारंभ कराने के बाद उपस्थित युवाओं को सबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि भारत अब तक सर्वाधिक युवाओं की संख्या वाला देश है। युवाशक्ति के योगदान से राष्ट्र को अधिक मज़बूत बनाने का सरकार का संकल्प है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर आज़ादी के अमृतकाल में प्रविष्ट हुआ है। अमृतकाल में देश के विकास के लिए युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि एबीवीपी के इस अधिवेशन द्वारा गोहिलवाड की धन्य धरा पर ज्ञान शील तथा एकता के समग्र समन्वय के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई परिवर्तन क्रांति के साथ एबीवीपी क़दम मिला रही है। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मान कर चलने वाली एबीवीपी माँ भारती को सर्वोच्च शिखर पर विराजित कराने वाले कार्य करेगी। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि विश्व स्तरीय शैक्षणिक पाठ्यक्रम अब गुजरात में घरेलू स्तर पर उपलब्ध हैं। अब युवा शिक्षा के साथ ही प्रशिक्षण एवं रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं। दीर्घदृष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से स्किल इंडिया स्टार्टअप इंडिया मुद्रा योजना आदि योजनाओं द्वारा हमारे युवा जॉब सीकर नहीं अपितु जॉब गिवर बने हैं। उन्होंने युवाओं का राष्ट्र निर्माण में जुड़ने का आह्वान करने वाली पंक्तियों 'उठो जवान देश की वसुंधरा पुकारती ये देश है पुकारता पुकारती माँ भारती' का पठन कर विद्यार्थियों में राष्ट्रहित की अलख जगाई। इस अवसर पर स्वागत समिति के अध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का 54वाँ अधिवेशन महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी की नगरी में आयोजित हो रहा है। ऐसे में समग्र गुजरात राज्य की छात्रशक्ति के लिए शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्ति के प्रदर्शन का तीन दिवसीय उत्सव मनाया जाने वाला है।

बीआरटीएस रूट में वाहन चलाने वालों का चालान काट पुलिस ने वसूला 89 हजार जुर्माना

अहमदाबाद। शहरों में यातायात की समस्या दिन ब दिन गंभीर होती जा रही है। खासकर पीकअवर्स में ज्यादातर सड़कों पर लंबा जाम लग जाता है। जाम से बचने के लिए वाहन चालक बीआरटीएस रूट का रुख कर लेते हैं जिसकी वजह से कई बार दुर्घटनाएं भी होती रही हैं। बीआरटीएस रूट में अन्य वाहनों के प्रवेश पर रोक है इसके बावजूद अपनी सुविधानुसार लोग उसमें वाहन चलाने से बाज नहीं आते। ऐसे लोगों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बीआरटीएस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया है। इसके अंतर्गत 190 जितने वाहनों को डिटेइन कर वाहन चालकों से रु. 89 हजार का जुर्माना वसूल किया है। अहमदाबाद में शहरीजनों की सुविधा के लिए बीआरटीएस की बसों के संचालन के लिए अलग रूट बनाया गया है। बीआरटीएस के रूट में अन्य वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है इसके बावजूद वाहन चालक बीआरटीएस रूट में घुस जाते हैं। ऐसे वाहनों चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस और बीआरटीएस संयुक्त कार्यवाही शुरू कर दी है। जिसमें वाहन चालकों के वाहन डिटेइन भी किए जा सकते हैं। अहमदाबाद के अलग अलग इलाकों में बीआरटीएस रूट में चलाने वाले 190 जितने वाहनों को डिटेइन किया गया। इस कार्यवाही में पुलिस ने वाहन चालकों से कुल रु. 89 हजार से भी अधिक का जुर्माना वसूल किया है। यह कार्यवाही पूर्वी अहमदाबाद के मेम्को चौराहे से नरोडा रोड तक बीआरटीएस और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्यवाही की गई। इसके अलावा ठक्करबापानगर सीटीएम चौराहे समेत बीआरटीएस रूट में चल रहे 190 वाहनों को डिटेइन किया गया। सबसे बड़ी समस्या पूर्वी शहर में जहां सरेआम दादागिरी कर वाहन चालक बीआरटीएस रूट में घुस जाते हैं और बसों के सामने खड़े हो जाते हैं। ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए पुलिस और बीआरटीएस ने संयुक्त कार्यवाही शुरू की है।

475 ग्राम चरस के साथ एक शख्स गिरफ्तार इंदौर से सूरत सप्लाई करने आया था

सूरत। 'नो ड्रग्स इन सूरत सिटी' अभियान के तहत सूरत पुलिस नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर रही है। इसके अंतर्गत सूरत की सारोली पुलिस ने शहर के नियोल चेक पोस्ट के निकट से एक शख्स को 4।5 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शख्स मध्य प्रदेश के इंदौर से चरस लेकर सूरत में सप्लाई करने आया था। पुलिस ने चरस मंगाने और भेजने वाले दोनों को वांटेड घोषित कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत पुलिस को सूचना मिली थी कि एक शख्स चरस लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सारोली क्षेत्र के नियोल चेक पोस्ट पर निगरानी बढ़ा दी। मध्य प्रदेश के इंदौर से आए फैजल उर्फ सीएनजी सफीखान नामक शख्स की पूछताछ और तलाशी में उसके पास से 475 ग्राम चरस बरामद हुई। जिसकी कीमत रु. 71250 बताई गई है। पुलिस ने फैजल के पास से रु. 1000 नकद मोबाइल और ट्रावेलिंग बैग समेत कुल रु. 79250 का माल-सामान जब्त कर लिया। पूछताछ में फैजल ने बताया कि इंदौर के जावेद ने उसे चरस दी थी और जिसे वह सूरत के यासीन नामक शख्स को देने आया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने जावेद और यासीन को वांटेड घोषित कर फैजल के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी।

गुजरात विकास का रोल मॉडल तथा विदेशी निवेशकों के लिए प्रथम पसंदीदा स्थान बना है: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अहमदाबाद में गाइहेड-क्रेडाई के 17वें प्रॉपर्टी शो का उद्घाटन करते हुए डेवलपर्स तथा रियल एस्टेट व्यवसायियों का आह्वान किया कि वे राज्य सरकार द्वारा बनाए गएबीयूपरमिशन सहित नीति-नियमों का व्यापक लाभ उठाएँ। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में सर्वग्राही विकास के लिए नियमबद्ध रूप से आगे ब रही है। उन्होने डेवलपर्स तथा रियल एस्टेट व्यवसायी से अनुरोध किया कि डेवलपमेंट प्लान निर्माण आदि में सामान्य नागरिक के हित को ध्यान में रखकर अपना दायित्व निभाएँ। इस त्रिदिवसीय प्रॉपर्टी शो के आयोजन के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी को किफ़ायती आवास मुहैया कराने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की है।इस योजना के तहत समग्र देश में लगभग 1 करोड़ 32 लाख आवासों तथा गुजरात में 10 लाख से अधिक आवासों का निर्माण किया गया है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित की गई विकास की राजनीति के परिणामस्वरूप गुजरात देश के विकास का रोल मॉडल बना है। इतना ही नहीं गुजरात विदेशी निवेशकों की भी पहली पसंद भी है। उन्होंने 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास' के मंत्र के साथ गुजरात की इस अविरत विकास यात्रा को और ऊँचाइयों पर ले जाने कासंकल्प भी व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निर्माण स्थलों (कंस्ट्रक्शन साइट्स) पर श्रमिक अन्नपूर्णा योजना के लाभों की भी जानकारी दी जिसके तहत श्रमिकों को रियायती दर पर कार्यस्थल पर भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

क्रेडाई अहमदाबाद-गाइहेड के अध्यक्ष तेजस जोशी ने स्वागत संबोधन में कहा कि क्रेडाई अहमदाबाद-गाइहेड द्वारा अहमदाबाद के थलतेज स्थित गणेश ग्राउण्ड में 6-7 तथा 8 जनवरी को 17वें गाइहेड प्रॉपर्टी शो का आयोजन किया गया है जिसमें शहरी नागरिकों को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए 250 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स की जानकारी एक ही स्थान पर मिलेगी। इस संस्थागत आयोजन मेंडेवलपर्स वित्तीय संस्थानों तथा अलाइड इंडस्ट्रीज़ सहित कुल 65 स्टॉल हैं। नया घर बनाने के लिए शहरी नागरिकों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार के सैगमेंट के प्रोजेक्ट्स की विस्तृत जानकारी तथा प्रॉपर्टी ख़रीदारों को सभी सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध कराने हेतु यह आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत लघु सूक्ष्म तथा मध्यम उद्योग एवं सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा क्रेडाई के उपाध्यक्ष शेखर पटेल जीसीसीआई के अध्यक्ष जक्षय शाह सहित समग्र राज्य के डेवलपर्स तथा बिल्डर्स उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने वर्ष 2022 में दिखाया सराहनीय कार्य-निष्पारदन

अहमदाबाद । रेलवे संपत्ति यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला पश्चिम रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल (RPF) यात्रियों को सुरक्षित सुखद और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत रहता है। यह आंतरिक सुरक्षा कानून और व्यवस्था को संभालने तथा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और राज्य के कार्यक्रमों के दौरान बंदोबस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रिड में एक महत्वपूर्ण हितधारक भी बन गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस क्षेत्र में और कार्य करते हुए रेलवे पर बाल तस्करी को रोकने तथा देखभाल और सुरक्षा के जरूरतमंद यात्रियों विशेषकर महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए बीबीए (कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन) के साथ एक सहमति ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किया गया है। आरपीएफ ने वर्ष 2022 में यात्रियों को उनके खोए सामान वापस दिलाने सुरक्षित यात्रा प्रदान करने यात्रियों की जान बचाने दलालों बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने अपराधियों को सजा दिलाने आदि के लिए विशेष पहल अभियान और ऑपरेशन चलाये। वर्ष 2022 में ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने 46 व्यक्तियों की जान बचाई जिसमें 24 पुरुष और 22 महिलाएं थीं। आरपीएफ जवानों ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अपनी ड्यूटी से परे जाकर इन लोगों की जानें बचाई। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत पश्चिम रेलवे आरपीएफ ने 649 लड़कों और 325 लड़कियों को सीडब्ल्यूसी और गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय कर बचाया। वर्ष के दौरान ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने 5.34 करोड़ रुपये से अधिक के कीमती सामान उनके वैध मालिकों को लौटाए। रेलवे संपत्ति (गैरकानूनी कब्ज़ा) अधिनियम के तहत 409 मामलों में जांचें की गईं और 1088 अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ लगभग 53.30 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई। वर्ष 2021 की तुलना में मामलों का पता लगाने में 51.89% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा रेलवे अधिनियम के तहत पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने 1.69 लाख से अधिक मामले दर्ज किए और 4.54 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना प्राप्तल किया। ठाकुर ने बताया कि मिशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के विरुद्ध अपराध से निपटने में राज्य पुलिस के प्रयासों में आरपीएफ सहयोग करता है। पश्चिम रेलवे का आरपीएफ यात्रियों की शिकायतों के निवारण के लिए रेल मदद ट्विटर और हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को अटेंड करता है।

वर्ष 2022 में आरपीएफ ने 553 अपराधियों को पकड़ा जिन्हें बाद में कानूनी कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस को सौंप दिया गया। मिशन महिला सुरक्षा के तहत पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने रेल अधिनियम 1989 की धारा 162 के तहत महिला डिब्बों में यात्रा करने वाले अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है और जुर्माने के रूप में 40 लाख रुपये से अधिक की वसूली की है। आरपीएफ द्वारा 20 चुनिंदा ट्रेनों में मेरी सहेली टीमों की भी तैनाती की गई है तथा अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की प्रभावी सुरक्षा के लिए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ई-मेरी सहेली अभियान की शुरुअत की है। रेलवे प्रणाली के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के अपराध के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत अभियान चलाया और 24 लाख रुपये से अधिक मूल्य की विनिषिद्ध वस्तुओं को बरामद कर 9 व्यअक्तियों को गिरफ्तार किया। ऑपरेशन उपलब्ध के तहत यात्रियों को आरक्षित टिकटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यारी नदी पर बन रहे बांध का नाम पीएम मोदी की दिवंगत मां के नाम पर

गांधीनगर। राजकोट गुजरात में बाहरी इलाके में बन रहे एक छोटे बांध का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन के नाम पर रखा गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। गिर गंगा परिवार ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप सखिया ने बताया कि राजकोट-कलावाड रोड पर वगुदाद गांव के पास न्यारी नदी पर ट्रस्ट द्वारा 15 लाख रुपये की लागत से छोटा बांध बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक दर्शिता शाह और राजकोट के महापौर प्रदीप देव की मौजूदगी में बांध की नींव रखी गई। सखिया ने कहा प्रधानमंत्री की मां को श्रद्धांजलि के तौर पर हमने छोटे बांध का नाम हीराबा स्मृति सरोवर रखने का फैसला किया है क्योंकि इस उनकी याद में बनाया जा रहा है। इससे दूसरे लोगों को भी अपने प्रियजन के निधन के बाद कुछ करने या किसी अच्छी चीज के लिए दान देने की प्रेरणा मिलेगी। हीराबा का 30 दिसंबर को अहमदाबाद के एक अस्पताल में 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

सखिया ने बताया कि इस ट्रस्ट ने पिछले चार महीने में दानदाताओं की वित्तीय मदद से 75 छोटे बांध बनाए हैं। इस नए बांध का काम दो सप्ताह के भीतर पूरा होगा और इसमें करीब 2.5 करोड़ लीटर पानी के भंडारण की क्षमता होगी। उन्होंने कहा ''यह बांध 400 फुट ऊंचा और 150 फुट चौड़ा होगा। एक बार पानी से भरने के बाद यह नौ महीने तक नहीं सूखेगा। इससे भूजल का पुन: संचय होगा और आसपास के गांवों के किसानों तथा पशुपालकों को फायदा मिलेगा।

आवास नहीं मिलने से 4 मंत्रियों का सर्किट हाउस बना ठिकाना पुराने मंत्री घर नहीं खाली कर रहे

गांधीनगर। गुजरात में नई सरकार के गठन को करीब एक महीने का समय होने को है लेकिन चार मंत्रियों को अब तक आवास आवंटित नहीं किए गए। इस कारण चारों मंत्रियों ने फिलहाल सर्किट हाउस को अपना ठिकाना बना रखा है। इन चार मंत्रियों में भानुबेन बाबरिया प्रफुल पानसेरिया कुंवरजी हलपति और भीखुसिंह शामिल हैं। ये चारों लोग पहली बार मंत्री बने हैं और परिवार के साथ मंत्री के बंगले में रहने की इच्छा है जो अब तक पूरी नहीं हुई। गांधीनगर सर्किट हाउस के बगल में ही मंत्रियों के आवास हैं और जो लोग अब मंत्रिमंडल में नहीं हैं उन्होंने अब तक बंगला नहीं छोड़ा है। इसी वजह से चार मंत्रियों को सर्किट हाउस में रहना पड़ रहा है। आमतौर पर मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद मंत्रियों की कॉलोनी में बंगला आवंटित कर दिया जाता है। लेकिन पुराने मंत्रियों द्वारा बंगला खाली नहीं किए जाने के कारण चार मौजूदा मंत्री सर्किट हाउस में रह रहे हैं। मंत्रियों की कॉलोनी में कुल 42 बंगले हैं। जिसमें विजय रूपाणी की सरकार में मंत्री रहे 10 वरिष्ठ जो पहली पंक्ति में रहते थे उन सभी के बंगले किसी को आवंटित नहीं किए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की पहली टर्म में मंत्री रहे कनुभाई देसाई ऋषिकेश पटेल राघवजी पटेल हर्ष संघवी जगदीश विश्वकर्मा मुकेश पटेल के निवास यथावत हैं। नई सरकार के गठन के बाद 16 मंत्री विधानसभा अध्यक्ष मुख्य दंडक दंडक समेत कुल 23 पदाधिकारियों को आवासों का आवंटन कर दिया गया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2023 में कंपनी के विकास को तेजी देने की योजना बनाई

2022 स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 में अपना सबसे बड़ा वर्ष हासिल करने के बाद, 2023 में तेज रफ्तार से विकास करने का एजेंडा स्पष्ट रूप से तय किया है। कंपनी ने 2021 की तुलना में 2022 में कारों की पहले ही दोगुनी से ज्यादा सालाना बिक्री की है। 2022 में स्कोडा ऑटो इंडिया ने 53,721 कारों की बिक्री की और पिछले साल की तुलना में 125 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की।

2023 में कार निर्माता कंपनी की योजना कई प्रॉडक्ट्स को लॉन्च करने की है। कंपनी ने अपने नेटवर्क के विस्तार की योजना बनाई है। कंपनी ने 2023 के अपने एजेंडे में कंपनी के विस्तार को केंद्र में रखा है। 2023 में स्कोडा ऑटो इंडिया दहाई अंकों में विकास दर्ज करेगी। कंपनी भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करेगी और इसकी योजना देश के कई नए शहरों में प्रवेश करने की है।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र सॉल्क ने कहा, "हम भारत में पहली बार 50 हजार कारों की बिक्री का आंकड़ा पार कर बेहद खुश हैं। 2022 में स्कोडा की 53,721 कारों की बिक्री हुई। हमने 2021 की तुलना में 2022 में अपनी कारों की दोगुनी बिक्री की है। हमारी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। इन सभी कारकों ने 2022 को वास्तव में कंपनी के लिए सभी मोर्चों पर बड़ा साल बना दिया। 2023 में हम ज्यादा से ज्यादा प्रॉडक्ट्स लॉन्च कर विकास की तेज रफ्तार का रास्ता बनाएंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे इंडिया 2.0 के प्रॉडक्ट्स अच्छी तरह स्थापित हो, उससे धीरे-धीरे हमारे नेटवर्क का विस्तार हो। इसी के साथ हमारी नजर ग्राहकों की संतुष्टि पर है। हमारा आईसीई और ईवी दोनों के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की रणनीति पर गहराई से ध्यान होगा।"

स्कोडा कुशाक और स्कोडा स्लाविया कंपनी के विस्तार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

कुछ महीनों पहले इंडिया 2.0 की रणनीति के तहत कंपनी के पहले प्रॉडक्ट स्कोडा कुशाक एसयूवी ने नवीनतम ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) क्रैश टेस्ट में पूर्ण 5 स्टार रेटिंग अर्जित की है। इससे स्कोडा भारत की सबसे सुरक्षित कार बन गई है। कार में बैठने वाले वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से कार को फुल 5 स्टार की रेटिंग दी गई है। 2023 में सुरक्षा के नजरिए से कुशाक सबसे प्रमुख कारों में से एक होगी।

इंडिया 2.0 के तहत, दूसरे स्कोडा ऑटो के दूसरे प्रॉडक्ट, स्लाविया सेडान ने प्रत्यक्ष रूप से प्रीमियम मिड-साइज सेडान कैटेगरी को प्रेरित किया है। इस सेग्मेंट में 2021 की तुलना में 2022 में शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। स्लाविया सेडान की बाजार में दहाई अंकों में स्वस्थ हिस्सेनदारी है। स्लाविया सेडान का निर्माण उसी प्लेटफॉर्म पर किया गया है, जिस पर 5 स्टार रेटिंग वाली सुरक्षित कुशाक कार का निर्माण किया गया है। यह एसयूवी की तरह 179 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस प्रदानकरती है और इसमें सेडान की सभी खूबियां और विशेषताएं मौजूद हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)